जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 133 प्रभात उदयपुर, मंगलवार 18 मार्च, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प्र.मंत्री मोदी ने हाथी (भारत) व ड्रैगन (चीन) की जो बात कही, चीन को बहुत पसंद आई

चीन के प्रवक्ता माओ निंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों नेताओं ने आपसी सहयोग पर जो सहमति बनाई है, उसका प्रशासन के हर स्तर पर क्रियान्वयन शुरु हो गया है तथा सकारात्मक (पॉज़िटिव) नतीजे सामने आये हैं

- प्र.मंत्री मोदी ने अमेरिकी पॉडकास्टर, लैक्स फ्रीडमैन से बातचीत में इस सहयोग के नृत्य की बात कही थी।
- मोदी ने कहा था कि यह ऐतिहासिक तथ्य है कि चीन व भारत ने हमेशा एक दूसरे से काफी कुछ सीखा है तथा दोनों के संबंध बहुत मजबूत रहे हैं, जिनका आधार गहरे सांस्कृतिक संबंध हैं तथा इतिहास गवाह है कि भारत व चीन का विश्व की कुल जीडीपी में पचास प्रतिशत का योगदान होता था।

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भारत-चीन संबंधों को लकर लैक्स फ्रीडमैन के पॉडकास्ट पर की गई टिप्पणी पर चीन ने सोमवार को "प्रसन्नता" व्यक्त की। चीन ने कहा कि हाथी और ड्रैगन का सौहार्दपूर्ण नृत्य दोनों देशों के लिये एकमात्र विकल्प है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने बीज़िंग में एक मीडिया-ब्रीफिंग के दौरान कहा, "हाल ही के महीनों में, दोनों ही पक्षों ने उनके नेताओं के बीच परस्पर बनी महत्वपूर्ण सहमति को गंभीरतापूर्वक कार्यान्वित किया है, विभिन्न स्तरों पर परस्पर आदान-प्रदान तथा क्रियात्मक सहयोग को मजबूत किया है तथा उसके कई सकारात्मक नतीजे सामने आये हैं।"

अमेरिकन पॉडकास्टर लैक्स फ्रीडमैन के साथ हुई बातचीत में, मोदी ने उन प्रयासों का उल्लेख किया, जो यह सुनिश्चित करने के लिए किये जा रहे हैं कि दोनों देशों के बीच के मतभेद बढ़कर संघर्ष का रूप नहीं लें तथा परस्पर संवाद कूटनीतिक उपायों का मुख्य अंग बना रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने लैक्स फ्रीडमैन को बताया, "अगर आप सदियों के इतिहास पर नज़र डालें (तो पाएंग कि) भारत और चीन एक-दूसरे से सीखते रहे हैं। दोनों ने मिलकर सदैव ही किसी न किसी रूप में, विश्व-कल्याण में योगदान दिया है। पूराने रिकॉर्ड बताते हैं कि एक समय, केवल भारत और चीन की जीडीपी मिलकर, विश्व की जीडीपी के 50 प्रतिशत से ज्यादा थी। यह भारत का कितना बड़ा योगदान था और मेरा मानना है कि हमारा जुड़ाव बहुत ही मजबूत है, हमारे सांस्कृतिक संबंध बहुत गहरे हैं।"

उन्होंने कहा, "संवाद उस स्थायी तथा सहयोगपूर्ण संबंध के निर्माण की कुंजी है, जिसमें दोनों ही देशों की भलाई एवं लाभ निहित है।"

निंग ने कहा, "हम चीन-भारत संबंधों पर प्रधानमंत्री मोदी की हाल ही की सकारात्मक टिप्पणियों की कद्र करते हैं। पिछले अक्टूबर में राष्ट्रपति शी जिनपिंग तथा प्रधानमंत्री मोदी के बीच कज़ान में बड़ी सफल मीटिंग हुई थी तथा उस मीटिंग ने चीन-भारत संबंधों को सुधारने तथा विकसित करने के लिए कूटनीतिक मार्गदर्शन प्रदान किया था।"

विश्व टॉप 50 युनिवर्सिटीज़ में भारत की नौ

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। उच्चशिक्षा का वैश्विक परिदृश्य भारी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। एशियाई खासकर भारतीय संस्थानों को प्रमुखता मिल रही हैं। पारम्परिक तौर पर इस रैंकिंग में पश्चिमी देशों के संस्थानों का बोलबाला रहता था, लेकिन हालिया रुझान एक भारी बदलाव दर्शाते हैं।

- भारत अब विदेशी स्टूडैंट्स को आकर्षित कर सकता है, इस रैंकिंग के कारण। इस प्रयास में मदद इससे भी मिल रही है कि अमेरिका व इंगलैंड में उच्च शिक्षा का खर्च अब और बढ़ गया है तथा विद्यार्थी अन्य विकल्प भी ढूंढ़ने लगे हैं।

विशिष्ट विषयों में विश्व के टॉप क्यू एस-50 में भारत के 9 संस्थान शामिल किए गए हैं। इंजीनियरिंग, मिनरल, और माइनिंग में आईएसएम धनबाद 26 वें नम्बर पर है इसके बाद इसी श्रेणी में आईआईटी बॉम्बे 40 वें और आईआईटी खड़गपुर 45 वें नम्बर पर है। इंजीनियरिंग - इलैक्ट्रिकल और इलैक्ट्रॉनिक श्रेणी में आईआईटी दिल्ली 47 वें और आईआईटी बॉम्बे इसी श्रेणी में 50 वें नम्बर पर है। बिजनैस और मैनेजमैंट स्टडीज़ में आईआईएम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सैन्ट्रल स्कूल, तेलंगाना में तेलुगू, तमिलनाडु में तमिल, कन्नड़ कर्नाटक में, मलयालम केरल में नहीं पढ़ाते''

स्टालिन ने भाषा व डीलिमिटेशन के मुद्दे को, अगले विधानसभा चुनाव की ज़मीन तैयार करने का काम कर लिया है

- दूसरी ओर, भाजपा, तमिलनाडु में राजनीतिक दलों के नेताओं को तोड़ने का काम बखूबी कर रही है, विशेषकर अन्नाद्रमुक के कई प्रमुख नेताओं ने भाजपा से बातचीत शुरु भी कर दी है।
- विपक्ष में फैली यह राजनीतिक अराजकता भी स्टालिन के पक्ष में मददगार सिद्ध हो रही है। जितना विपक्ष बिखरता है, उतना ही द्रमुक को लाभ होता है, क्योंकि स्टालिन का मानना है, उसके लगातार प्रचार से भाजपा को अभिमानी, आक्रामक नॉर्थ इण्डिया का प्रतीक माना जा रहा है, जो तमिलनाडु का वाजिब शेयर, बजट में उसका हिस्सा, नहीं देता, हालांकि, साउथ इण्डिया केन्द्रीय ट्रेज़री में ज्यादा टैक्स जमा कराते है, नॉर्थ इण्डिया की तुलना में।

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 मार्च। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल द्रमुक के लिये बिखरा हुआ विपक्ष तथा अन्नाद्रमुक की अंदरूनी लड़ाई खुशी का संदेश लेकर आई है, क्योंकि इससे द्रमुक को लगभग एक साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता-विरोधी सोच से लड़ने में मदद मिलेगी। ज्ञातव्य है कि अन्नाद्रमुक तमिलनाडु की दूसरी प्रमुख द्रविड़ पार्टी हैं।

अन्नाद्रमुक पहले ही कमजोर हो चुकी है तथा पूर्व मुख्यमंत्री तथा पार्टी महासचिव पार्टी को एकजुट रखने के लिए जूझ रहे हैं, जबकि पार्टी के प्रभावशाली नेताओं ने इडापल्ली पलानीस्वामी को परेशान करना शुरु कर दिया है।

अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता के.ए. सैंगोटियान ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की थी तथा वे अन्नाद्रमुक अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई मीटिंग में शामिल नहीं हुये थे। इससे अन्नाद्रमुक के संभावित बिखराव की अटकलें लगाई जा रही हैं और द्रमुक मुख्यालय में प्रसन्नता की लहर दिखाई दे रही है।

इस समय भाजपा तमिलनाडु की राजनीति में परभक्षी (प्रीडेटरी) की भूमिका निभा रही है अर्थात् वह अन्य पार्टियों के नेताओं को अपनी ओर खींच रही है। ऐसी स्थिति में, अगर उसके निशाने पर कुछ वरिष्ठ अन्नाद्रमुक नेता आते हैं तो इससे द्रमुक को ही मदद मिलेगी, क्योंकि किसी भी नेता के पार्टी छोड़ने से अन्नाद्रमुक और भी कमजोर होगी। हालांकि, भाषा और परिसीमन के मुद्दों पर भाजपा के वर्तमान अड़ियल रुख के कारण, भाजपा को इससे कोई खास लाभ मिलने की संभावना तो बहुत ही कम है। यह चेन्नई के कई राजनैतिक विश्लेषकों की सुविचारित मान्यता है।

और स्टालिन तो भाषा के मुद्दे पर पहले ही पूरा जोर दे रहे हैं। चूँकि उन्होंने इस मुद्दे को पूरी तरह अपना रखा है, वे तमिलनाडु के ऐसे नेता बन गये हैं, जो केन्द्र को करीब-करीब अकेले ही टक्कर दे रहे हैं। यही नहीं, वे दक्षिण

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दूसरों के अनुभव से होशियारी सीखने की मनुष्य को इच्छा नहीं होती, उसको स्वतंत्र ठोकरें चाहिए। –विनोबा

क्या चुनाव जीतना ही सब कुछ है?

देश में कुछ वर्षों से जो हो रहा है, उसे देखकर तो यह लगता है कि राजनीतिक दलों के लिए जनता एवं उसका हित कोई मायने नहीं रखता एवं उनके लिए केवल एक ही लक्ष्य है और वह है चुनाव जीतना। चुनाव जीतने के लिए यदि उन्हें अपने मूल्यों की बलि चढ़ानी पड़े या गरिमा को तार-तार करना पड़े, अथवा देश में वैमनस्य का वातावरण फैलाना पड़े तब भी कोई फर्क नहीं पड़ता है।

इसे हम कुछ उदाहरणों के माध्यम से समझने का प्रयास करेंगे।

गत कुछ दिनों से उर्दू भाषा को लेकर विवाद उत्पन्न किया जा रहा है । इसे मुसलमानों और आक्रांताओं की निशानी बता कर इस पर निशाना साधा जा रहा है। उर्दू को गुलामी का प्रतीक बता देने वाले यह भूल जाते हैं कि उर्दू किसी मुस्लिम देश की भाषा है ही नहीं, यह हर हिन्दुस्तानी की भाषा है । स्वतंत्रता के बाद अब पाकिस्तान और बांग्लादेश में भी उर्दू बोली जाती है। उर्दू को भारत में कई बार देवनागरी लिपि में ही लिखा जाता है । शायद ही कोई हिंदी का विद्वान होगा, जो अपने लेखन में अथवा अपने वक्तव्य में, उर्दू का प्रयोग जाने-अनजाने नहीं करता होगा। आजकल, जो लोग उर्दू का विरोध करते हुए वक्तव्य दे रहे हैं, यदि उनका विश्लेषण कर लिया जाए, तो पाएंगे कि उनमें ही उर्दू के कई शब्द शामिल हैं। उर्दू और हिंदी इस प्रकार से घुल-मिल गई है जैसे पानी में नमक अथवा चीनी घुल जाती है। हम जिस भाषा में सामान्यत: बातचीत करते हैं उनमें भी अनेक शब्द उर्दू के सम्मिलित हैं । यहां तक कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के नेता भी अपने भाषणों में कुछ उर्दू शब्दों का प्रयोग करते हैं । कई बार वे अपनी बात को स्पष्ट करने के लिए उर्दू की शेरो-शायरी का उपयोग भी करते हैं। इस प्रकार जो भाषा यहां के सामान्य बोलचाल की भाषा बन चुकी है, उस पर विवाद उत्पन्न करने का उद्देश्य समाज में ध्रुवीकरण करके चुनाव जीतना ही लगता है।

भारत के शहरों और गांवों में हिंदुओं और मुसलमानों की अंतर निर्भरता इतनी अधिक है कि उन्हें एक दूसरे से अलग करना संभव ही नहीं है। विभिन्न हिंदू त्योहारों और उत्सवों पर काम आने वाली विभिन्न वस्तुओं का निर्माण मुसलमान कारीगरों द्वारा किया जाता है, चाहे वह बंधेज की साड़ी हो, लाख की चूड़ियां हो, विभिन्न प्रकार की नक्काशी का काम हो, रजाई बनाने का काम हो। अच्छी मेहंदी लगाने वाली अधिकांश लड़कियां मुस्लिम परिवारों से आती हैं। होली पर एक-दूसरे पर फेंके जाने वाले गुलाल घोटे भी अधिकांशतया मुस्लिम ही बनाते हैं। संक्रांति के अवसर पर उड़ने वाली पतंगें और मांझा मुस्लिम परिवारों द्वारा बनाए जाते हैं। दिवाली पर आतिशबाजी का जिम्मा भी अक्सर मुसलमानों का ही होता है। अत:, हिंदू-मुसलमानों को एक-दूसरे के विरुद्ध खड़ा करने का उद्देश्य केवल वोट पाना ही हो सकता है।

सदियों से हिंदू-मुसलमान एक ही घर के सदस्यों की तरह मिलजुल कर प्रेम से रहते आए हैं। जहां मुसलमान, नमाज पढ़ने के बाद हिंदू भाइयों के साथ आराम से होली खेलते हैं, वहीं हिंदू, ईद के अवसर पर ईदी खाने में कोई संकोच नहीं करते थे। इसी परम्परा को तो गंगा-जमनी विरासत का नाम दिया गया है। यही हर भारतीय के स्वभाव में रचा बसा है, चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान।

इस समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को दोनों पक्षों के कुछ कट्टरपंथियों द्वारा इसलिए तोड़ा जा रहा है ताकि इसके आधार पर समाज में विभाजन किया जा सके और अपने वोटो की खेती को बढ़ाया जा सके।

हाल ही में संभल में जिस प्रकार होली के दिन मस्जिदों को ढक कर, होली का त्यौहार मनाया गया, वह सामान्य नहीं था। उत्सवों पर रैपिड एक्शन फोर्स और सीआरपीएफ की तैनाती करने का लक्ष्य केवल सांप्रदायिक भय का वातावरण बनाकर एक-दूसरे वर्ग के प्रति दुर्भावना उत्पन्न कर चुनाव जीतना होता है । चुनाव जीतने के लिए इन तरीकों का सहारा लेने वाले यह भूल जाते हैं कि इससे होने वाला नुकसान वर्षों तक समाज को भुगतना पड़ेगा। जब समाज में इस प्रकार से शंका के बीज बोए जाएंगे, तो इसकी परिणति अंतत: समाज में विभाजन को और गहरा करने के रूप में ही होगी। यह आजकल होने भी लगा है। हर छोटी-छोटी बात को साम्प्रदायिक उन्माद को बढ़ाने के लिए काम में लिया जा रहा है।

चुनाव जीतने के लिए सरकार नागरिकों के मूल अधिकारों का हनन करने से भी नहीं चूकती। उदाहरण के लिए, सूचना का अधिकार कानून इसलिए लाया गया था कि सरकार के कामकाज में पारदर्शिता आ सके और लोगों को पता लग सके कि उनसे संबंधित कार्यों को किस प्रकार किया जा रहा है । आजकल, प्रधानमंत्री की डिग्री का मामला तूल पकड़ता जा रहा है । जब मुख्य सूचना आयुक्त ने डिग्री दिखाने का आदेश दिया तो उसकी पालना नहीं की गई । उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की कथित डिग्री को अमित शाह और अरुण जेटली द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबके समक्ष दिखाया गया था। क्या न्यायालय द्वारा यह आदेश पारित नहीं किया जा सकता कि जब सार्वजनिक रूप से उनकी डिग्री को स्वयं भाजपा के नेताओं ने प्रेस के समक्ष दिखा दिया तो उसकी मूल प्रति मांग ली जाए और उसका सत्यापन संबंधित विश्वविद्यालय से करा लिया जाय? यहां प्रश्न यह नहीं है कि प्रधानमंत्री की पढ़ाई कितनी हुई है? कानूनन प्रधानमंत्री बनने के लिए कोई न्यूनतम योग्यता निर्धारित नहीं है। प्रश्न केवल यह है कि क्या चुनाव के लिए फॉर्म भरते समय गलत जानकारी दी गई? जनता को वास्तविकता जानने का अधिकार तो है ही। इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने के स्थान पर, अब सूचना के अधिकार कानून में ही संशोधन करने की बात कही जा रही है ताकि न्यायालय भी प्रधानमंत्री की डिग्री संबंधित कोई आदेश नहीं दे सके। इस कारण नागरिकों को सही जानकारी उपलब्ध कराने के स्थान पर उन्हें सूचना के अधिकार से ही वंचित किया जा रहा है। क्या ऐसा करना उचित कहा जा सकता है?

राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए तथाकथित धर्म गुरुओं और बाबाओं का भी सहारा लिया जाता है। इसके लिए चाहे बलात्कार और हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम बापू और बाबा गुरमीत राम रहीम को चुनाव के समय पैरोल पर ही क्यों न छोड़ना पड़े? सरकारों की यह कार्यवाही यही सिद्ध करती है कि राजनैतिक दलों के लिए चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है।

कोरोना के दौरान पीएम केयर फंड में अरबों रुपए की राशि विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त हुई । इसका कहां और कैसे उपयोग हुआ ,आज तक किसी को पता नहीं है। संभव है, तकनीकी रूप से इसका कैग (सी ए जी) द्वारा अंकेक्षण का प्रावधान न हो, किंतु स्वयं सरकार को क्या यह नहीं चाहिए कि वह प्राप्त धनराशि का हिसाब देश के समक्ष प्रस्तुत करे ताकि जनता आश्वस्त हो सके कि इसका दुरुपयोग कहीं अपने चुनावी लाभ के लिए तो नहीं किया गया?

यही स्थिति इलेक्टोरल बॉन्ड की भी थी । यह तो भला हो सुप्रीम कोर्ट का कि उसने इलेक्टरल बॉन्ड के संबंध में जानकारी सार्वजनिक करने हेतु सरकार को बाध्य किया और इस योजना को अपारदर्शी मानते हुए इसे निरस्त भी कर दिया।

चुनाव जीतने के लिए समाज को विभाजित करने के काम में विपक्षी दल भी पीछे नहीं हैं। जातिगत गणना की मांग करके वे देश को जातियों में बांटने का ही तो काम कर रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न जातियों में एक दूसरे के प्रति कटुता और विद्वेष उत्पन्न करना ही तो है ताकि जाति गत ध्रुवीकरण से अधिकाधिक मत प्राप्त कर सकें। होना तो चाहिए कि सबको अच्छी शिक्षा के अवसर उपलब्ध हों और चयन जाति के आधार पर नहीं अपितु केवल योग्यता के आधार पर हो। आरक्षित वर्ग में क्रीमी लेयर को आरक्षण न देने की बात तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कही है। हाल ही में कर्नाटका सरकार ने सरकारी ठेकों में मुस्लिमों के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण बात भी इसी प्रकार का विभाजन कारी कदम है जिसका उद्देश्य केवल अल्पसंख्यकों के मत प्राप्त करना है।

राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए तथाकथित धर्म गुरुओं और बाबाओं का भी सहारा लिया जाता है। इसके लिए चाहे बलात्कार और हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे आसाराम बापू और बाबा गुरमीत राम रहीम को चुनाव के समय पैरोल पर ही क्यों न छोड़ना पड़े? सरकारों की यह कार्यवाही यही सिद्ध करती है कि राजनैतिक दलों के लिए चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य है। इसके लिए राजनीतिक दलों और नेताओं को बलात्कारी और पाखंडी बाबाओं का सहयोग लेने में भी कोई शर्म नहीं है। यह सबका संवैधानिक दायित्व है कि समाज में वैज्ञानिक सोच को विकसित किया जाए । इसके बावजूद, नेताओं द्वारा पाखंडी बाबाओ के माध्यम से अंधविश्वास को फैलाया जाए और उसके आधार पर समाज का विभाजन करके समर्थन जुटाया जाए ताकि चुनाव में जीत हासिल की जा सके, तो इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा। जिस बागेश्वर बाबा उर्फ धीरेन्द्र शास्त्री ने कुंभ के दौरान भगदड़ में मरने वालों के मोक्ष प्राप्त करने की बात कही हो, उन्हीं के चरणों में यदि प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और अन्य प्रमुख नेता आशीर्वाद लेने चले जाएं तो इससे अंध विश्वास ही तो बढ़ेगा। सबका उद्देश्य केवल मात्र चुनाव जीतना है।

किस प्रकार धर्म के नाम पर समाज को विभाजित किया जा रहा है वह इन नारों से ही स्पष्ट है, जैसे 'एक है तो सेफ है' 'बटेंगे तो कटेंगे'। योगी जी मुसलमान के लिए 'कठमुल्ला' शब्द का प्रयोग करते हैं, किंतु ऐसा करते समय वे यह भूल जाते हैं कि कठमुल्ला का कोई संबंध 'मुल्ला' से नहीं है। इसका प्रयोग अज्ञानी व्यक्ति के लिए किया जाता है। यह सब केवल धार्मिक भावनाओं को भड़काने के लिए किया जाए तो इसे 'विकसित भारत' की निशानी तो नहीं माना जा सकता ।

शिक्षा की दुर्गति जो कुछ वर्षों में हुई है उससे सभी परिचित हैं। इसी प्रकार आपाधापी में चुनाव से पूर्व अनेक विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय खोल दिए जाते हैं। इनमें न शिक्षक हैं न आधार भूत सुविधाएं। यहां तक कि मेडिकल कॉलेज भी बिना शिक्षकों के खोल दिए गए। एक-एक कमरे में महाविद्यालय चल रहे हैं। इस प्रकार के निर्णय लेते समय जनता का हित गौण हो जाता है। यह जनता के साथ छलावा ही है। प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता तो गर्त में चली गई है। शिक्षा की किसी को परवाह नहीं है, क्योंकि इसके आधार पर चुनाव नहीं जीते जाते । स्पष्ट है, सबका उद्देश्य चुनाव जीतना ही है।

एक जागरूक समाज की निशानी है कि उसके सदस्य सत्ता से सवाल करने का साहस रखें । किंतु यदि सत्ता ही सवाल पूछने वालों को प्रताड़ित करे अथवा जेल भेज दे, केवल इसलिए कि उनका चुनावी नुकसान न हो, तो इसे स्वस्थ संकेत नहीं कहा जा सकता।

कुल मिलाकर ऐसा लगता है कि आजकल चुनाव जीतना ही एकमात्र लक्ष्य हो गया है, चाहे इसके लिए झूठ बोलना पड़े, जनता को धोखा देना पड़े, लोगों को झूठे आश्वासन देने पड़ें, समाज का ध्रुवीकरण ही क्यों न करना पड़े ।

इस स्थिति को बदलना आवश्यक है। और जितना यह कार्य शीघ्र किया जाए उतना ही उत्तम होगा ।

प्रश्न यह है कि आखिर कब तक केवल चुनावी जीत के लिए सामाजिक समरसता, भाईचारा, ईमानदारी, कर्तव्य, निष्ठा, देश प्रेम, परस्पर सद्भाव की विरासत, छिन्न-भिन्न होती रहेगी तथा हमारे लोकतंत्र और राष्ट्र को भीतर ही भीतर खोखला करती रहेगी?

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक मूल्यांकन में बड़ा बदलाव : चुनौतियां और समाधान

अशोक कुमार

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, यूजीसी ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है जो भारतीय विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है। इस निर्णय के तहत यूजीसी ने संकाय मूल्यांकन के लिए संशोधित मानदंड पेश किए हैं। इसका उद्देश्य शिक्षण संस्थानो और शिक्षकों के मूल्यांकन के लिए अधिक व्यापक और समग्र दृष्टिकोण अपनाना है। ये परिवर्तन पहले के मानकों से एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं, जिसमें शोध प्रकाशनों और प्रदर्शन-आधारित अंकों पर बहुत अधिक जोर दिया जाता था।

नए अकादमिक प्रदर्शन संकेतक ढांचे में विस्तृत संशोधित दिशा-निर्देश, विशुद्ध रूप से अकादमिक आउटपुट से ध्यान हटाकर शिक्षण प्रभावशीलता, छात्र प्रतिक्रिया और संस्थागत योगदान के व्यापक दृष्टिकोण पर केंद्रित करने के लिए तैयार हैं। पारंपरिक स्कोर-केंद्रित प्रणाली को अधिक गुणात्मक मूल्यांकन से बदला जा रहा है जिसमें विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन क्षेत्र शामिल हैं।

नया ढांचा छात्र प्रतिक्रिया, मार्गदर्शन और सीखने के परिणामों को ध्यान में रखेगा। आउटरीच कार्यक्रमों, सामाजिक परियोजनाओं और संस्था-निर्माण गतिविधियों में शिक्षकों के योगदान को महत्व दिया जाएगा। कक्षा नवाचार, प्रौद्योगिकी का उपयोग और शिक्षार्थियों के साथ जुड़ाव केवल प्रकाशन रिकॉर्ड से अधिक मूल्य रखेगा। जबकि शोध महत्वपूर्ण बना हुआ है, समग्र मूल्यांकन में इसके महत्व को तर्कसंगत बनाया गया है, यह मानते हुए कि सभी संकाय भूमिकाएँ शोध-गहन नहीं हैं।

यूजीसी ने स्वीकार किया है कि पहले के मेट्रिक्स ने प्रकाशन को असमान रूप से पुरस्कृत किया, अक्सर सार्थक शिक्षण की कीमत पर। इस नए मॉडल में बदलाव करके प्रणाली अधिक समावेशी और निष्पक्ष हो जाती है, विशेष रूप से गैर-शोध-गहन भूमिकाओं में शिक्षकों के लिए। संकाय छात्र परिणामों, शिक्षण पद्धति और वास्तविक दुनिया के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के व्यापक दृष्टिकोण के साथ संरेखित है, जो शिक्षा की गुणवत्ता के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण को बढ़ावा देता है। यह नया ढांचा संकाय को केवल शोधपत्रों के प्रकाशक से अधिक होने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह कक्षा को प्रभाव के लिए प्राथमिक स्थान के रूप में मान्यता देता है। अन्य लोगों ने उल्लेख किया है कि यह दृष्टिकोण वैश्विक विश्वविद्यालय प्रणालियों के अनुरूप है, जहाँ शिक्षण उत्कृष्टता को अनुसंधान के समान ही महत्व दिया जाता है। इन मानदंडों को सभी यूजीसी-संबद्ध और केंद्र द्वारा वित्तपोषित संस्थानों में लागू किए जाने की उम्मीद है। शोध प्रकाशन अभी भी मायने रखेंगे , लेकिन उनका महत्व शिक्षण और सामुदायिक जुड़ाव जैसे अन्य योगदानों के साथ संतुलित किया जाएगा। नए मूल्यांकन मानदंड हालाँकि आधिकारिक तिथि की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन उन्हें 2025 से चरणों में अपनाए जाने की उम्मीद है। ये परिवर्तन पदोन्नति और कैरियर की प्रगति शिक्षक के समग्र योगदान से अधिक निकटता से जुड़ी होगी।

यूजीसी ने समग्र शिक्षक मूल्यांकन मानदंड पेश किए हैं, जिसका उद्देश्य शिक्षकों के प्रदर्शन का अधिक व्यापक और निष्पक्ष मूल्यांकन करना है। हालांकि, इस नए मानदंड के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियां और समस्याएँ हैं।

नए मानदंड में छात्रों, सहकर्मियों और स्वयं के मूल्यांकन सहित कई कारकों को शामिल किया गया है। इससे मूल्यांकन में व्यक्तिपरकता का खतरा बढ़ जाता है, क्योंकि विभिन्न व्यक्तियों के अलग-अलग दृष्टिकोण हो सकते हैं। शिक्षकों को अपने प्रदर्शन का विस्तृत दस्तावेजीकरण करने और कई मूल्यांकनकर्ताओं से प्रतिक्रिया एकत्र करने की आवश्यकता होगी। इससे शिक्षकों पर अतिरिक्त प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। शिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को नए मानदंडों को समझने और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण की आवश्यकता होगी। विभिन्न संस्थानों में मूल्यांकन प्रक्रियाओं में एकरूपता सुनिश्चित करना एक चुनौती हो सकती है।

नए मानदंड के कार्यान्वयन में कुछ समस्याएँ भी हैं। लगातार मूल्यांकन का डर शिक्षकों में तनाव और चिंता पैदा कर सकता है, जिससे उनकी रचनात्मकता और शिक्षण की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि मूल्यांकन पर अत्यधिक ध्यान दिया जाता है, तो शिक्षक नवाचार और जोखिम लेने के बजाय केवल अच्छे अंक प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। अनैतिक व्यवहार को प्रोत्साहन को बढ़ावा मिलने की आशा है। कुछ शिक्षक बेहतर मूल्यांकन प्राप्त करने के लिए अनैतिक व्यवहार का सहारा ले सकते हैं, जैसे कि छात्रों को अच्छे अंक देने के लिए दबाव डालना या सहकर्मियों को प्रभावित करना। मूल्यांकन प्रक्रिया में बहुत अधिक समय लगने से शिक्षकों को अपने शिक्षण कार्य पर ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है।

विभिन्न चुनौतियां और समस्याएँ के समाधान के लिए मूल्यांकनकर्ताओं को निष्पक्ष और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। मूल्यांकन प्रक्रिया स्पष्ट, पारदर्शी और सभी हितधारकों के लिए सुलभ होनी चाहिए। शिक्षकों को उनके प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए नियमित रूप से समर्थन और प्रतिक्रिया प्रदान की जानी चाहिए। मूल्यांकन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा सकता है।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि समग्र शिक्षक मूल्यांकन मानदंड एक सकारात्मक कदम है, लेकिन इसके सफल कार्यान्वयन के लिए इन चुनौतियों और कमियों को दूर करना आवश्यक है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

8.97 करोड़ के गबन के विरोध में 20 खाताधारक पानी की टंकी पर चढ़े

मामला जैतसर के 3 जीबी ग्राम सेवा सहकारी समिति मिनी बैंक का है

- **लोगों की मांग है कि सभी अकाउंट होल्डर को उनके पैसे मिलने चाहिए, आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और उनकी संपत्ति कुर्क की जाए**

श्रीगंगानगर, (निसं)। बैंक में हुए करीब नौ करोड़ के गबन के विरोध में 20 खाताधारक पानी की टंकी पर चढ़ गए। इनमें चार महिलाएं भी हैं। मामला जैतसर के 3 जीबी ग्राम सेवा सहकारी समिति मिनी बैंक का है। ये लोग श्रीकृष्ण गोशाला के पास श्मशान घाट में बनी ओवरहेड टंकी पर चढ़े हैं। इनकी मांग है कि सभी अकाउंट होल्डर को उनके पैसे मिलने चाहिए। आरोपियों की गिरफ्तारी की जाए और उनकी संपत्ति कुर्क की जाए।

जानकारी के अनुसार अक्टूबर 2024 में जांच के दौरान बैंक में 8.97 करोड़ रुपए के गबन का मामला सामने आया था। जांच में पाया गया कि यह सिलसिला साल 2014 से चल रहा था। जांच के दौरान 444 खाताधारकों से जानकारी प्राप्त की गई, जिनकी कुल जमा पूंजी 9.75 करोड़ रुपए थी, लेकिन कुछ खाताधारक अब भी अपनी जानकारी देने के लिए उपस्थित नहीं हो पाए हैं, जिसके कारण जांच अब भी जारी है। भूमि विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रंधावा टंकी पर चढ़े लोगों का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने ओवरहेड टैंक से एक वीडियो जारी किया।

उन्होंने कहा कि किसी ने बच्चे की शादी, किसी ने बिजनेस शुरू करने तो किसी ने मकान बनाने के लिए बैंक में पैसे जमा किए थे। गांव की एक महिला है, उसके पति की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई थी। उसे पांच लाख का मुआवजा मिला था। उसने भविष्य में बेटियों की शादी के लिए बैंक में पैसे जमा कराए थे। आज उसके पास शादी के लिए एक पैसा भी नहीं है। इंद्रजीत रंधावा ने सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक और जिला कलेक्टर डॉ. मंजू से गुजारिश की है कि सरकार से इनको पैसा दिलवाया जाए। रंधावा ने आरोप लगाया कि सरकार ने 200 करोड़ का ब्याज माफ कर दिया, लेकिन ये तो हक के पैसे मांग रहे हैं, इनको पैसा मिलना चाहिए। रंधावा ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम यहीं पर बैठे हैं। हम भले ही ऊपर बैठे भूखे मर जाएं, लेकिन हम नीचे तभी आएंगे, जब हमारी मांगें मान ली जाएंगी।

खाताधारक सौरभ मोंगा ने बताया कि बैंक के बाहर धरना-प्रदर्शन को 95 दिन हो चुके हैं। अभी तक हमारी मांगें नहीं मानी गई है। मजबूरन आज पूर्व बैंक अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह रंधावा के नेतृत्व में वाटरवर्क्स की ओवरहेड टंकी पर चढ़ना पड़ा। मोंगा ने कहा कि कुछ भी हो जाए, लेकिन जब तक पैसे नहीं मिलेंगे, वो पानी की टंकी से नीचे नहीं उतरेंगे। मोंगा ने दावा किया कि पानी की टंकी पर कुल 30 लोग चढ़े हैं, जिनमें चार महिलाएं भी हैं।

सौरभ मोंगा ने कहा कि हमारी प्रमुख मांग है कि सभी खाताधारकों की पूरी राशि प्रदान की जाए। अभी तक मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। एक की मौत हो चुकी है। तीसरा आरोपी खुलेआम बाहर घूम रहा है। गिरफ्तार आरोपी ओमप्रकाश चुघ की प्रॉपर्टी कुर्क की जाए। पुलिस-प्रशासन के लापरवाह अफसरों को भी सस्पेंड किया जाए। जैतसर पुलिस मौके पर प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास कर रही है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक उनकी जमा राशि नहीं लौटाई जाती, तब तक वे टंकी से नीचे नहीं उतरेंगे। स्थानीय प्रशासन और बैंक प्रबंधन की ओर से अभी तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस-प्रशासन की लापरवाही पर भी सवाल उठाए हैं। उनकी मांग है कि लापरवाह अधिकारियों को निलंबित किया जाए। टंकी के नीचे भी कई खाताधारक धरने में शामिल हैं। सूरतगढ़ के पूर्व विधायक राजेंद्र भादू धरना स्थल पर पहुंचे। जांच अधिकारियों के मुताबिक, बैंक में गबन का मुख्य कारण मियादी जमाओं के खिलाफ अनियमित रूप से ऋण (लोन) वितरण करना था। समिति के कर्मचारियों ने जानबूझकर खाताधारकों की जमा पूंजी को गलत तरीके से ऋण के रूप में वितरित किया।

कई मामलों में मियादी जमा रसीदें मिनी बैंक के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गई। कई खाताधारकों के नाम पर ऋण वितरित किए गए, जिनके पास मियादी जमा की कोई रसीद ही नहीं थी। जांच के बाद समिति के पूर्व व्यवस्थापक सुमेर सिंह, वर्तमान व्यवस्थापक बिशनपाल सिंह और पूर्व सहायक व्यवस्थापक ओमप्रकाश चुघ को गबन व अनियमितताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। इन अधिकारियों ने अपने पदों का दुरुपयोग किया और बैंक की गबन साजिश में हाथ बढ़ाया। इनमें सुमेर सिंह की मौत हो चुकी है। ओमप्रकाश को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बिशन पाल को अभी तक नहीं पकड़ा है।

पंडेर में झोलाछाप चिकित्सक पर स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

- **स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लिनिक पर उपलब्ध दवायें व उपकरण जब्त किये**

भीलवाड़ा, (निसं)। जिलेवासियों को सही और सुरक्षित इलाज उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से जिले में अवैध क्लीनिक और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने को लेकर जिले में स्वास्थ्य विभाग की ओर से अभियान जारी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के आदेशानुसार, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक जाट के नेतृत्व में पंडेर कस्बे में बस स्टैण्ड के पास स्थित अवैध नीम हकीम क्लिनिक पर कार्रवाई की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा पंडेर कस्बे में कार्रवाई के दौरान वृंदावन नाम के नीम हकीम को मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया। झोलाछाप चिकित्सक के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं पाए गये। जांच में क्लिनिक पर एलोपैथिक दवाएं, इंजेक्शन व अन्य चिकित्सा उपकरण अवैध रूप से उपयोग किए जा रहे थे। टीम ने मौके पर ही सभी दवाइयां व उपकरण जब्त कर क्लिनिक को सीज कर दिया। इसके साथ ही पुलिस द्वारा झोलाछाप चिकित्सक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की। इस दौरान चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, पंडेर डॉ. राहुल शर्मा, बीपीओ रामजस, फार्मासिस्ट अभिषेक गुर्जर सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्य मौजूद रहे।

आरपीएससी ने अभ्यर्थियों को संशोधन का अवसर दिया

- **अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि, जेंडर के अतिरिक्त प्रविष्टियों में संशोधन कर सकेंगे**

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा मई माह में प्रस्तावित विभिन्न परीक्षाओं के अन्तर्गत संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों को दिया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि भूवैज्ञानिक एवं सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) परीक्षा, 2024 का आयोजन 7 मई 2025 को, सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) परीक्षा-2024 (09 विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (गृह विभाग) परीक्षा 2024 (08 विषय) का आयोजन 12 मई से 16 मई तक एवं जनसम्पर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग) परीक्षा-2024 का आयोजन 17 मई को करवाया जाना प्रस्तावित है। आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को उक्त परीक्षाओं के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित शर्तों अनुसार 19 मार्च से 25 मार्च तक अभ्यर्थी का नाम, पिता का नाम, फोटो, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त अन्य संशोधन ऑनलाइन करने का अवसर दिया जा रहा है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। ऑनलाइन संशोधन का अवसर अभ्यर्थियों के हितार्थ सुविधा मात्र है। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगी।

राशिफल मंगलवार 18 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, स्वाती नक्षत्र सायं 5:52 तक, व्याघात योग सायं 4:44 तक, बव करण प्रात: 8:52 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 10:10 से आरम्भ होगा। आज शुक्र वृदत्व 10:10 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:36 से 11:06 तक, लाभ-अमृत 11:06 से 2:05 तक, शुभ 3:54 से 5:04 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 6:33

मेष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। आज महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

कर्क

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव रहेगा।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में तनाव बना रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहा मानसिक तनाव दूर होने लगेगा।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

धनु

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि हो सकती है। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सार-समाचार

बच्चे की मौत, लापरवाही का मामला दर्ज

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाडा थाना क्षेत्र के जील अस्पताल से रेफर डेढ साल के बच्चे की रविवार को गुजरात के हॉस्पीटल में मौत हो गई। परिजन शव लेकर वापस सागवाडा के जील अस्पताल के सामने पहुंचे और हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाइश कर शव को मोर्चरी में रखवाया। परिजनों ने अस्पताल के डॉक्टर के खिलाफ लापरवाही से इलाज का प्रकरण दर्ज करवाया है। बच्चे जो जील अस्पताल से रेफर करने के बाद पथरावए तोडफोड और कर्मचारियों से मारपीट की घटना हुई थी। सागवाडा थाना पुलिस की ओर से 13 मार्च को बांसवाडा जिले के खेरल का प?ला थाना गढी निवासी जयेश नाथ रावल के डेढ वर्षीय बेटे भव्य रावल की तबीयत खराब होने पर उसे जील अस्पताल सागवाडा में भर्ती करवाया गया था। बच्चे की तबीयत खराब होने पर उसे रेफर कर दिया गया था। जिस पर बच्चे को एम्बुलेंस में शिफ्ट कर गुजरात ले जा रहे थे। इसी दौरान अस्पताल रैम्प पर ही एम्बुलेंस खराब हो गई। कुछ देर में एम्बुलेंस ठीक भी हो गई, लेकिन आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल पर पथराव कर दिया। अस्पताल में जमकर तोडफोड की। पथराव की वजह से अस्पताल के शीशे फूट गए। काउंटर, कंप्यूटर तोड दिया। वही अस्पताल के महिला गार्ड, नर्सिंगकर्मी सम्राट कई कर्मचारियों से मारपीट की गई। घटना के बाद परिजन एम्बुलेंस से बच्चे को लेकर गुजरात रवाना हो गए। अस्पताल प्रबंधन की ओर से सागवाडा थाने में बच्चे के पिता समेत 10 से 12 लोगो के खिलाफ पथराव, तोडफोड मारपीट का प्रकरण दर्ज करवाया।

सांवलिया जी सेठ के दर्शन किए

मंडफिया, (निसं)। चित्तौड़गढ़ सांसद एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी एवं प्रसिद्ध भजन गायक छोटू सिंह रावणा ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। दर्शन के दौरान मंदिर पुजारी ने सांसद जोशी एवं गायक रावणा को उपरना ओढ़ाकर तुलसी एवं चरणामृत प्रदान किया। मंदिर मंडल की ओर से प्रशासनिक अधिकारी नंदकिशोर टेलर ने दोनों अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। दर्शन पश्चात मंदिर कार्यालय में सांसद जोशी ने भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा की। इससे पहले भाजपा नेता एवं मंडफिया पूर्व सरपंच हजारी दास वैष्णव के नेतृत्व में सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ताओं ने सांसद जोशी एवं गायक रावणा का गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सिंह चौहान, पोटला कलां पूर्व सरपंच कालू लाल जाट, मंदिर बोर्ड के पूर्व सदस्य भैरूलाल सोनी, कैलाश चंद्र दाधीच, रमेश चंद्र वैष्णव, राजकुमार वैष्णव, पंकज जारोली, सचिन वैष्णव, पवन तिवारी, राधे सुथार, लोकेश जांगिड़, कंवर लाल गुर्जर सहित सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे। सांसद जोशी एवं गायक रावणा ने मंडफिया से दर्शन करने के पश्चात भादसोड़ा चौराहा स्थित जन्मस्थल भगवान सांवलियाजी सेठ के मंदिर में भी दर्शन किए।

शिशु बाल नगरी मेले का आयोजन

देवगढ़, (निसं)। विद्या भारती संस्थान द्वारा संचालित विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय देवगढ़ में एक दिवसीय शिशु बाल नगरी मेले का सोमवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेश उपाध्याय, मुख्य अतिथि नूतन प्रकाश जोशी जिला शिक्षा अधिकारी राजसमंद, कान सिंह चौहान खंड मुख्य शिक्षा अधिकारी,देवगढ़, विजेंद्र नागदा प्रधानाचार्य केंद्रीय विद्यालय देवगढ़, केशरीमल पंडिया जिला सचिव विद्या भारती, सरस्वती जोशी शिशु वाटिका जिला प्रभारी, लोकेंद्र सिंह , देवेंद्र सिंह कच्छावा, चंदा तिवारी रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने विद्यालय मे बच्चो द्वारा सजाई गयी शिशु शिक्षा की 12 शैक्षिणक व्यवस्था व 14 विधाओ का प्रदर्शन की विभिन्न जीवंत झांकियों का अवलोकन किया गया।

फायर करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर,(कासं)। डबोक थाना पुलिस ने युवक पर फायरिंग करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार पीडित देवीलाल उर्फ पिन्टू पुत्र धनराज निवासी नान्दवेल डबोक ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी।जिसमें उसने बताया कि 4 मार्च को रात में विनायक होटल सोशिया घाटी से कार लेकर घर पहुंचा। जहां पानी की टंकी के पाए एक व्यक्ति खड़ा था एवं कुछ दूरी पर एक बाइक पर व्यक्ति बैठा हुआ था। कार खड़ी कर घर के दरवाजें पर पहुंचते हीं पिछे से आए व्यक्ति ने फायर किया जो मेरी जांग पर गोली लगी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, सहायक पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार के सुपरविजन में डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने 6 मार्च को पीयूष पुत्र तिथलेश सिंह निवासी प्रेमनगर कॉलोनी बडगांव को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की थी। इस मामले मे दूसरे आरोपी पीयूष के भाई प्रभात सिंह पुत्र मिथलेशसिंह निवासी प्रेमनगर कॉलोनी बडगांव फरार था। जिसे बापर्दा गिरफ्तार कर इसके कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद की।

पिकअप की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। वरदा थाना क्षेत्र में भेड माता पुलिया के पास रविवार दोपहर को एक दर्दनाक सडक हादसा हुआ। तेज रफ्तार पिकअप ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में बिछीवाडा निवासी गजेंद्र कुमार कोठारी की मौके पर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार में सवार गजेंद्र की पत्नी जीतेश्री भतीजी मारुति और चार बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों में मोक्षित,विवान,सहज और नैशी शामिल हैं। सभी घायलों को पहले डूंगरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। वरदा थाना हेड कॉनि. संतोष कुमार के अनुसार,मृतक के भाई राजेंद्र कुमार कोठारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। परिवार सागवाडा से बिछीवाडा लौट रहा था। आंतरी के पास भेड माता पुलिया पर सामने से आ रहे पिकअप ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पलट गई। डॉक्टरों ने जांच के बाद गजेंद्र कुमार को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों की स्थिति गंभीर होने के कारण उन्हें अहमदाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहां उनका इलाज जारी है।

विधायक माहेश्वरी ने ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं से किया संवाद

राजसमंद, (निसं)। जिले में कुरज मंडल के ग्राम मंडफिया खेडा में सोमवार को विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने ग्रामीण जनों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गहन संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय समस्याओं एवं विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की और ग्रामीणों से उनके सुझाव लिए एवं आवश्यकताओं को समझा। विधायक ने कहा कि ग्रामीण सशक्तिकरण और समग्र विकास भाजपा सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने ग्राम विकास के अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं, जिनसे देशभर में गांवों का विकास हो रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि मोदी सरकार की समग्र ग्राम विकास की नीति के कारण देश में निर्धनता दर 5 प्रतिशत से भी कम हो गई हैं, जो ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय ग्रामीणों ने गांव की समस्याओं और अपनी आवश्यकताओं को लेकर विधायक के समक्ष विभिन्न विषय रखे। विधायक दीप्ति ने आश्वासन दिया कि इन सभी मांगों को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए वे प्रशासन एवं सरकार से समन्वय स्थापित करेंगी। अधिकारियों से वार्ता करके जनता के भाव अभियोगों का निराकरण समय पर एवं संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश दिए। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने ग्राम कुरज में आयोजित नंद घर

मंडफिया खेडा में ग्रामीणजनों व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद करती विधायक दीप्ति माहेश्वरी।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन दिया। यह कार्यक्रम हिंदुस्तान जिंक, वेदांता फाउंडेशन और अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें 70 से अधिक नंद घरों का आभासी माध्यम से उद्घाटन किया गया। विधायक दीप्ति ने वेदांता समूह से आग्रह किया कि वें स्थानीय युवतियों को रोजगार में प्राथमिकता दें, जिससे क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि वेदांता समूह का निगमन सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के तहत नंद घरों के आधुनिकीकरण का कार्य अत्यंत सराहनीय है और यह ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विधायक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत, आंगनबाडी एवं नंद घर, महिला एवं बाल स्वास्थ्य, बेटी बचाओ-बेटी पढाओं जैसी योजनाओं के प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि इन प्रयासों से पिछले 10 वर्षों में ग्रामीण भारत के परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन आया हैं। उन्होंने औद्योगिक समूहों से आव्हान किया कि वें स्थानीय स्तर पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वस्थ परिवार, शिक्षित परिवार अभियान को सफल बनाने में योगदान दें। इस दौरान मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा, मुख्य वित्त अधिकारी संदीप मोदी, मुख्य मानव संसाधन अधिकारी मुनीश वासुदेव, आरडीसी आईबीयू सीईओ बलवंत सिंह राठौड, वेदांता सामाजिक दायित्व कोष अधिकारी अनुपम निधि, कुरज सरपंच चांदीदेवी जाट सहित आंगनवाडी कार्यकर्ता, जिपस व पंसस मौजूद थे।

पत्नी के प्रेमी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। दिन दहाड़े घर में घुस कर पत्नी के प्रेमी की चाकू घोंप कर हत्या करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 9 मार्च को पीडिता रीना मीणा ने हिरणमगरी पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि मेरे पड़ौस वाले रूम में जितेन्द्र मीणा व डिंपल मीणा नाम की लडकी किराये पर रहते है तथा दोनों नर्सिंगकर्मी है। पांच छह माह पूर्व डिंपल ने मुझे बताया कि उसने जितेन्द्र मीणा से शादी की है। सवेरे पड़ौस वाले कमरे से चिल्लाने की आवाज आई मैने व मेरी ननद पूजा ने गेट खोल कर देखा तो एक आदमी को जितेन्द्र के रूम से भागते हुए देखा जिसका डिम्पल पिछा कर रही थी।

कमरे में देखा तो जितेन्द्र खुन से लथपथ पड़ा था। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक छगनपुरोहित के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में एसआई करनाराम, एएसआई बसंतीलालद्ध कांस्टेबल नन्दकिशोर, हमेन्द्र मय टीम ने गांव बोखला के जंगलों में दबिश देकर नरसी खराडी पुत्र बदा खराड़ी निवासी बोर पीपला बोखला थाना बिच्छीवाड़ा डूंगरपुर को गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि नरसी मीणा ने अपनी पत्नी डिंपल को पढाई करवा कर नर्सिंग कोर्स करवाया। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद निजी हॉस्पीटल में काम करना शुरू किया जहां डिंपल का तीन वर्ष पूर्व जितेन्द्र मीणा से परिचय हुआ। नरसी से नाता तोड़ कर जितेन्द्र के साथ लिविंग रिलेशन के रूप में रहने लगी। इसको लेकर सामाजिक स्तर पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई लेकिन समाधान नहीं हुआ।

डिंपल ने पति नरसी मीणा के खिलाफ पुलिस थाने में रिपोर्ट भी दी थी। नरसी मीणा जितेन्द्र से डिंपल की पढाई पर किए गए खर्चे की मांग कर रहा था। डिंपल व जितेन्द्र दोनों छिप कर पानेरियों की मादड़ी में मकान किराए पर लेकर रहने लगे। नरसी ने इसका पता लगा कर रूपयों की मांग की लेकिन जितेन्द्र ने देने से इनकार कर दिया। इसी बात को लेकर नरसी ने घर में घुस कर जितेन्द्र मीणा पर चाकू से गर्दन, पेट सहित अन्य जगह ताबडतोड़ हमला कर फरार हो गया। जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र राडाजी चौराहा पर ऑटों पलटने से निचे दबने पर युवक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सवेरे राममनोरह लोलिया नगर मल्लातलाई कच्ची बस्ती निवासी अख्तर हुसैन पुत्र अनवर हुसैन अपने भाई आरिफ हुसैन के ऑटों में बैठ कर घर से शहर की तरफ जा रहा था। जहां बीच रास्ते में राडाजी चौराहा पर ऑटों अनियंत्रित होकर पलट गया। जिससे निचे दबने पर अख्तर हुसैन की मौत हो गई।

नाम परिवर्तन

मै सन्तोष कुमार गालव पूबिन्या पिता रामकिशन पूर्बिया निवासी नादोली जिला राजसमंद ने अपना नाम बदलकर नया नाम सन्तोष कुमार पूर्बिया रख लिया है भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

NOTICE

The project chourai Soapstone Mine (M.L.No. 13/1994) Near Village Chourai, Tehsil-Rishabdev, Dist.-Udaipur of M/s Ashoka Minerals, Udaipur has been accorded environmental clearance and copies of clearance letter are available with SEIAA, Rajasthan and Rajasthan Pollution Control Board and may also be seen on the website of the board at www.rpcb.nic.in

आगजनी का मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)।सायररा थाना पुलिस ने मकान में आगजनी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित पदाराम पुत्र हरियाराम निवासी गुर्रा ने गुर्रा निवासी सोमाराम पुत्र राजाराम, मनाराम पुत्र सोमाराम, कमलेश पुत्र केसाराम, केसीबाई पत्नी सोमाराम के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 15 मार्च को मैं अपने पीपरणा गांव स्थित मकान पर गया था। वहां से लौटा तो मकान जला हुआ था। जहां घास एवं रशनी सामठी जल कर नष्ट हो चुकी थी।

अवैध पिस्टल मय जिंदा कारतूस बरामद

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान वारदात करने की प्रयास में घुम रहे बदमाश को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से एक पिस्टलय मय तीन जिंदा कारतूस जब्त किए।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलिपसिंह के नेतृत्व में एएसआई धर्मवरीसिंह मय जाप्ता ने गश्त के दौरान जोगीतालाब रोड़ की तरफ शिवराजसिंह उर्फ सागर नामक व्यक्ति के पास हथियार होने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे। जहां से युवक को दक्षिण विस्तार की तरफ से सेक्टर 14 की तरफ जाते देख रोक कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम शिवराजसिंह चौहान उर्फ सागर पुत्र राजेन्द्रसिंह चौहान निवासी कृष्णपुरा गली नंबर 1 भुपालपुरा का होना बताया। जिसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से देशी पिस्टलय मय तीन जिंदा कारतूस पाए गए।

हमले में युवक घायल

उदयपुर,(कासं)। खेरवाड़ा कस्बे में आपसी विवाद में आरोपियों ने चाकू से हमला कर युवक को घायल किया। जानकारी के अनुसार पीड़ित राहुजल डामोर निवासी बलेवडी ने तुलसीराम पुत्र नानालाल ननोमा, प्रवीण पुत्र भीमाराम खराड़ी के खिलाफ भाई मनीष पर चाकू से हमला कर घायल करने का प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि 16 मार्च को रिश्तेदारी में गांव देवल डूंगरपुर गए थें जहां योगेश पुत्र सरदारसिंह अहारी व संदिप पुत्र हरीश हाए थे। जहां कार्यक्रम ख्त्म होने पर वापस लौट रहे थे।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.7(12)PLAN/LANDUSE/2024-25/482 **आम सूचना** दिनांक : 12/3/2025

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा गुलाब कोठारी बनाम राजस्थान सरकार एवं अन्य सिविल रिट संख्या 1554/2004 में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के द्वारा पारित निर्णय के क्रम में सरकार के विभागीय आदेश दिनांक 20-07-2017 के अनुसार एवं राज्य सरकार के द्वारा समय-समय पर वृहद / व्यापक जनहित के दृष्टिगत मास्टर प्लान में भू-उपयोग परिवर्तन अनुज्ञये किये जाने के संबंध मे प्रदत्त आदेशों/परिपत्रों की अनुपालना मे निम्नलिखित प्रकरण भू- उपयोग परिवर्तन बाबत् विचाराधीन है:-

क्र.सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/योजना	खसरा संख्या / ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	दक्ष ऑटो (इण्डिया) प्रा.लि. जरिये डायरेक्टर श्री विकास श्रीमाली पिता श्री प्रकाश श्रीमाली	पट्टा अनुसार देबारी (नवीन ग्राम जिंक स्मेल्टर)	5294/4742	01	13375.00 वर्गफीट	हिंदुस्तान जिंक तिराहे से चितौड़गढ जाने वाली 300 फीट सडक पर पावर हाउस के सामने आर्ची गैलेक्सी कॉम्पलेक्स के समीप स्थित है।	वाणिज्यिक (पेट्रोल पम्प) उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email: np_ntd@yahoo.in Ph. 02953-233526

क्रमांक /न.पा.नाथ./नामा./2025/17989 दिनांक : 10.03.2025

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्धा/पट्टाशुद्धा के आधार पर भूखण्डों का **नामान्तरण/नामहस्तान्तरण** का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर **नामान्तरण/नाम हस्तान्तरण** कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्य था प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणो में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति का पता	पड़ौस का विवरण			
			पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती तसनीम बोहरा पत्नि श्री जुल्फीकार बोहरा निवासी बोहरा बाजार, नाथद्वारा	भूखण्ड संख्या-02 गिरिराज दर्शन कॉलोनी, गिरिराजपुरा, नाथद्वारा	रोड़ 30 फिट	भूखण्ड संख्या-09	भूखण्ड संख्या-01	भूखण्ड संख्या-03

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय पालिका मण्डल आमेट, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक/न.पा.आ./2025/1185 प्रारूप-10 (नियम-6(7) देखिए) दिनांक: 17.3.25

-: लोक - सूचना :-

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित आवेदकों द्वारा कृषि भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात :-

तहसील जिले का नाम	राजस्व ग्राम का नाम	खातेदार का नाम	खसरा नं./आराजी नं.	क्षेत्रफल (हैक्टर में)
आमेट राजसमन्द	आमेट	ओमप्रकाश पिता किशनलाल भांड निवासी आमेट, केसर बाई पत्नी किशन लाल भांड निवासी आमेट, सुरेश चन्द्र पिता किशन लाल भांड निवासी आमेट, सीता पिता किशन लाल भांड निवासी आमेट।	3206	कुल रकबा 0.17089 हैक्टर भूमि आवासीय प्रयोजनार्थ

उक्त भूमि या उसके भाग में व्यक्तियों के अधिकार/हित राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के धीन पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने की अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई ओक्ष है तो वह नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाप में यह जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 17.3.25 को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी (भूमि रूपान्तरण) नगर पालिका आमेट

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda

उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर-313001 (राजस्थान), फोन नं.: 0294-2410226, 2422148, 2420671, 2421673, ई-मेल: udaipu@bankofbaroda.com

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि

निम्नहस्ताक्षरकर्ता **बैंक ऑफ बड़ौदा** के प्राि कृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स शिवा ग्रेनिटो एक्सपोर्ट लिमिटेड जिसे पहले मैसर्स शिवा एक्सपोर्ट कम्पनी के नाम से जाना जाता था,** जरिये निदेशक **श्रीमती आशा उपाध्याय पत्नी श्री सुरेश उपाध्याय, श्रीमती रचना उपाध्याय पत्नी श्री अभिनव उपाध्याय, श्री विशाल जैन एवं श्रीमती चंचल नुवाल** एवं प्रबन्ध निदेशक व जमानतदार **श्री अभिनव उपाध्याय पुत्र श्री सुरेश उपाध्याय एवं जमानतदार श्री सुरेश उपाध्याय पुत्र श्री नवीन चन्द उपाध्याय** एवं **श्री अभिषेक उपाध्याय पुत्र श्री सुरेश उपाध्याय एवं कोर्पोरेट जमानतदार मैसर्स शिवा एक्सप्लोसिव्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड** पर मांग सूचना दिनांक 23.09.2024 पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 21.09.2024 को बकाया राशि रू. 2,90,02,546.65 (रूपये दो करोड़ नब्बे लाख दो हजार पाँच सौ छियालीस एवं पैसे पैंसठ मात्र)(दिनांक 21.09.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए)** एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्च व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई। ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 12, माह मार्च, वर्ष 2025** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उस पर प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति को कब्जे में ले लिया है।

ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्वारा सम्पत्ति के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 21.09.2024 को बकाया राशि रू. 2,90,02,546.65 (रूपये दो करोड़ नब्बे लाख दो हजार पाँच सौ छियालीस एवं पैसे पैंसठ मात्र) (दिनांक 21.09.2024 तक ब्याज शामिल करते हुए)** एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्च व लागतों का पुनर्भुगतान करने के लिए **बैंक ऑफ बड़ौदा, उदयपुर (मुख्य) शाखा, पोस्ट बॉक्स नं. 11, टाउन हॉल, उदयपुर, राजस्थान 313001** के प्रभार के अधीन होगा।

कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्ति का वर्णन

सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि मैसर्स शिवा एक्सप्लोसिव्स इंडिया प्राईवेट लिमिटेड के नाम साम्यिक बंधक दिनांक 07.10.2013 औद्योगिक परिवर्तित भूमि खसरा नं. 571, 575, 579, 584, 585 एवं 610 जो राजस्व गाँव उदलपुरा, ग्राम पंचायत कोठड़ी, तहसील रेलमंगरा, जिला राजसमन्द, राजस्थान पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 43011 वर्ग मीटर है। **सीमाएं-** उत्तर: अन्य भूमि, दक्षिण: खसरा नं. 613-620 एवं अन्य, पूर्व: खसरा नं. 603-605-588 एवं अन्य, पश्चिम: गाँव कोठड़ी की सीमा

स्थान: रेलमंगरा (राजसमन्द) हस्ता.

दिनांक: 12.03.2025 मुख्य प्रबन्धक एवं प्राधिकृत अधिकारी

अनुव्रतों के पालन से जीवन में होता है संस्कार का निर्माण : मुनि प्रसन्न कुमार

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती केलवा क्षेत्र में ओम समृद्धि सभागार में मुनि संजय कुमार, मुनि प्रसन्न कुमार, मुनि प्रकाश कुमार एवं मुनि धैर्य कुमार के सानिध्य में अणुव्रत समित रिछेड के नवगठीत कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

अणुव्रत समिति रिछेड की नव गठीत कार्यकारणी के अध्यक्ष भीमराज कोठारी, मंत्री बहादुरसिंह, कोषाध्यक्ष रमेशचन्द्र प्रजापत, प्रचारमंत्री शिवलाल सेन, सहप्रचार मंत्री चन्द्रप्रकाश सोनी, संरक्षक मंडल डॉ समन्दर शर्मा, राधेश्याम राणा, परामर्श मंडल नारायणलाल सोनी, विनयकुमार पालीवाल, देवेन्द्र सोनी, संगठन मंडल कमलेश टेलर, सुरेशकुमार कोठारी आदि कार्यकारणी को पुर्व न्यायाधिश डॉ बसन्तीलाल बाबेल ने शपथ दिलाई। मुनि संजयकुमार ने कहा कि जाती व संप्रदाय के बंधन से मुक्त अणुव्रत एक अच्छें इंसान बनने का वादा करता हैं। अध्यक्ष भीमराज कोठारी के प्रयास से अणुव्रत समिति में जैन से ज्यादा अजैन जुडें हैं। अणुव्रत अमीर, गरीब, जात-पात के विवाद से हटकर केवल मानव धर्म की बात बताने से सभी जाती वर्ग के लोग अणुव्रत निसन्कोच जुट रहे हैं। मुनि प्रसन्नकुमार ने कहा कि आज ऐसे

राजसमंद के ओम समृद्धि सभागार में आयोजित अणुव्रत समित रिछेड के नवगठित कार्यकारणी के शपथ ग्रहण समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते संभागी।

कार्यकर्ता जो नैतिक आंदोलन से वर्षो से जुडे हैं सारा जीवन ईमानदारी ओर जनकल्याण में लगा हुआ ऐसे बलीदानी जमीनी कार्यकर्ता को प्रोत्साहन मिलना जरूरी है। जिससे नैतिक मूल्यों को बल मीलेगा। देश में ज्यों-ज्यों अनैतिकता भ्रष्टाचार बुराईयों का पलडा भारी होगा। अणुव्रत को ओर प्रभावी बनाना पडेगा। मुनि प्रकाशकुमार ने कहा कि अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य तुलसी ने अणुव्रत की शुरूवात की व इसी अणुव्रत के नियमो से महात्मा गांधी ने भारत को अंग्रेजो से मुक्त किया। अणुव्रत में इतनी ताकत है। कार्यक्रम में ऐसे कार्यकर्ता राष्ट्रीय स्तर के बैठे हैं। जीनका जीवन ही बोलता है व दुसरो के लिए प्रेरणा श्रोत है। मुनि धैर्यकुमार ने कहा कि भीम तहसील में दारू बंद कराने में डॉ महेन्द्र कर्णावट ने काफी प्रयास कर नशा मुक्ति अभियान द्वारा सरकार की चुनाव प्रकरीयों द्वारा चार गांवो में जीत हासिल की जिसमें भीमराज कोठारी रिछेड, डालचंद सोलंकी, बाबुलाल लोढा दिवेर ने अच्छा साथ दिया। अणुव्रत सेवी एवं पुर्व न्यायाधिस डॉ बसन्तीलाल बाबेल, अणुव्रत प्रवक्ता डॉ महेन्द्र कर्णावट, अशोक डूगरवाल, अणुव्रत समिति अध्यक्ष राजसमंद अचल धर्मावत, मंत्री रमेश मांडोत, लक्ष्मीलाल आमेटा ने अपने विचार रखे। संचालन राधेश्याम राणा ने किया। आभार महेन्द्रकुमार कोठारी अफेक्स ने ज्ञापित किया। इस दौरान भामाशाह तनसुख बोहरा, पूर्व सभा अध्यक्ष केलवा बाबुलाल कोठारी, भिक्षु विहार समिति अध्यक्ष नरेन्द्र कोठारी, रोशनलाल सांखला, सभा अध्यक्ष दिवेर सुरेश श्रीमाल, मंत्री बाबुलाल लोढा, कोषाध्यक्ष डालचंद सोलंकी आदि मौजूद रहे।

जलग्रहण यात्रा आज झल्लारा में करेगी प्रवेश

उदयपुर, (कासं)। जलग्रहण यात्रा 18 मार्च को सलूंबर जिले के पंचायत समिति झल्लारा में प्रवेष करेगी। यह यात्रा राजस्थान के 27 जिलों के 110 ब्लॉकों में जल संरक्षण और मृदा संरक्षण का संदेष प्रसारित कर रही है। वाटरशेड उदयपुर के अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक अतुल जैन ने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि योजना-2.0 अन्तर्गत जल संरक्षण को बढ़ावा देने एवं जलग्रहण विकास के प्रति जागरूकता हेतु जिले के परियोजना क्षेत्र झल्लारा, सलूम्बर, जयसमंद, भीण्डर, वल्लभनगर व कुराबड में जलग्रहण यात्रा-2025 का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 18 मार्च से 23 मार्च से विभिन्न ग्राम पंचायतों और सामुदायिक स्थलों पर आयोजित होगी। यह यात्रा 18 मार्च को सलूम्बर जिले के पंचायत समिति झल्लारा की ग्राम पंचायत देवगांव से प्रारंभ होकर 19 मार्च को पंचायत समिति सलूम्बर की ग्राम पंचायत टोडा, 20मार्च को पंचायत समिति जयसमंद की ग्राम पंचायत पीलादर, 21 मार्च को उदयपुर जिले के पंचायत समिति वल्लभनगर की ग्राम पंचायत मोडी, 22 मार्च को पंचायत समिति भीण्डर की ग्राम पंचायत बग्गड व 23 मार्च को पंचायत समिति कुराबड की ग्राम पंचायत करगेट में जलग्रहण यात्राएं निकाली जायेगी।

राजस्थान सरकार

कार्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र

मोहम्मद फलासिया, ब्लॉक झाड़ोल (फ.) जिला उदयपुर

Mobile No. : 9414617503 E-mail : phc_mophalasia@yahoo.com

क्रमांक : एनएचएम/सफाई/2025/07 दिनांक : 15.03.2025

खुली निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये कार्यालय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, मोहम्मद फलासिया में साफ-सफाई व्यवस्था मय मानव संसाधन एवं मय सफाई सामग्री तथा MNJY योजना अन्तर्गत मानव संसाधन की अनुबंध पर सेवा उपलब्ध करवाने हेतु विर्निदिष्ट पंजीकृत बोलीदाता/संवेदक से निम्न कार्य हेतु निविदा (तकनीकी व वित्तीय) आमत्रिंत की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 17.03.2025 से 26.03.2025 को सायं 5.00 बजे तक बेची जायेगी तथा दिनांक 27.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक प्राप्त की जाकर उसी दिनांक को 1.00 बजे गठित कमेटी द्वारा उपस्थित बोलीदाता/अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी -

क्र.सं.	कार्य का नाम	अवधि	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क
1.	डिलीवरी पोइंट पर 24X7 सम्पूर्ण सफाई व्यवस्था मय मानव संसाधन एवं सामग्री	2025-26	1.44 लाख	3000/-	200/-
2.	MNJY योजना अंतर्गत मानव संसाधन	2025-26	1.00 लाख	2000/-	200/-

शर्ते :

1. धरोहर राशि बैंकर्स चैक/डीडी द्वारा "सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेर रिलीफ सोसायटी मोहम्मद फलासिया के नाम से देय होगी।
2. निविदायें निहित प्रारूप में प्रस्तुत की जावेगी जिन्हें इस कार्यालय से नकद भुगतान फरप्राप्त किया जा सकता है।
3. निविदादाता संबंधित संस्थान पर भ्रमण कर पूर्ण कार्य को समझकर निविदा प्रस्तुत करें।
4. निविदा शर्तें कार्यालय में उपलब्ध है जिन्हें निविदादाता कार्यालय समय में उपस्थित होकर देख सकता है।
5. समिति न्यूनतम दर वाली निविदा का स्वीकार करने हेतु बाध्य नहीं है तथा किसी भी निविदा या निविदा के किसी भाग को बिना कारण बताये स्वीकार/रद्द करने का अधिकार उपापन समिति का रहेगा।

सदस्य सचिव
राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मो. फलासिया

आनासागर झील में हुए अवैध निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बने सेवन वंडर व फूड कोर्ट हटाने के आदेश, छह माह का समय दिया

- गांधी स्मृति उद्यान और आजाद पार्क कॉम्पलेक्स से जुड़े मामलों पर सात अप्रैल को सुनवाई होगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील के वेटलैंड और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में हुए अवैध निर्माणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कोर्ट ने स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत बने सेवन वंडर को छह माह में तोडने तथा फूड कोर्ट को 7 अप्रैल तक हटाने के दिशा निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने आदेश में यह भी कहा कि प्रोजेक्ट के तहत जितना वेटलैंड एरिया नष्ट किया गया है, उतना ही नया वेटलैंड एरिया शहरी क्षेत्र में विकसित किया जाए। मामले में अब अगली सुनवाई 7 अप्रैल को होगी।

सेवन वंडर तोड़ने के लिए दिया छह माह का समय :–सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओखा और जस्टिस उज्जवल बुएन की पीठ ने सोमवार को सुनवाई के दौरान आनासागर झील के भराव क्षेत्र में हुए अवैध निर्माणों को सख्त रुख अपनाते हुए स्पष्ट दिशा निर्देश देते हुए सेवन वंडर को तोड़ने या कहीं और शिफ्ट करने के लिए सरकार को 6 माह का समय दिया है। फूड कोर्ट को 7 अप्रैल तक हटाने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि 7 अप्रैल तक एक प्रस्ताव पेश किया जाए, जिसमें यह बताया जाए कि नष्ट किए गए वेटलैंड के बदले नया वेटलैंड कहां और कैसे बनाया जाएगा, इस प्रस्ताव पर 6 महीने के भीतर अमल करना होगा। मामले में भारत सरकार के एडिशनल सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार की ओर से पैरवी की, जबकि याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने स्वयं अपनी याचिका पर पैरवी कर अपना पक्ष रखा।

निर्माण कार्यों में नियमों का उल्लंघन :–आनासागर भराव क्षेत्र में हुए अवैध निर्माणों को लेकर 17 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश का पालन करने के सरकार व जिला प्रशासन को निर्देश दिए थे। कोर्ट ने माना कि आनासागर झील के भराव क्षेत्र में नियमों का उल्लंघन करते हुए स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत निर्माण कार्य किए गए। सरकार के मुख्य सचिव सुधांशु पंत को व्यक्तिगत हलफनामा पेश करने और वीडियो कॉन्फ्रंसिंग के माध्यम से सुनवाई में उपस्थित रहने का आदेश दिए।

गांधी स्मृति उद्यान और आजाद पार्क पर भी सुनवाई 7 को :–सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि गांधी स्मृति उद्यान, पाथवे और आजाद पार्क में बने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से जुड़े मामलों की सुनवाई भी 7 अप्रैल को होगी। इन स्थानों पर भी निर्माण कार्यों को लेकर याचिका दायर की गई है, जिसमें नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है।

सौ करोड़ से अधिक खर्च कर बनाए थे प्रोजेक्ट :–सरकार नेशनल एनवायरनमेंट इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट नीरी और एमएनआईटी के एक्सपर्ट्स से भी राय लेगी। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद स्मार्ट सिटी के तहत करीब 40 करोड़ खर्च कर बनाए गए पाथ-वे, 11.12 करोड़ के सेवन वंडर, 7.29 करोड़ के लवकुश उद्यान में बनाए गए फूड कोर्ट, करीब 11 करोड़ के गांधी स्मृति उद्यान, 15.12 करोड़ के आजाद पार्क कॉम्पलेक्स का भविष्य तय होगा। ये प्रोजेक्ट करीब 100 करोड़ रुपए खर्च कर बनाए गए हैं, अब इन्हें तोडने और शिफ्ट करने पर भी करोड़ों रुपए खर्च होंगे।

व्यापारी पर हमला करने वाले गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। नयापुरा पुलिस टीम ने व्यापारी पर हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गये दोनों आरोपी सगे भाई है।

नयापुरा थानाधिकारी राजपाल सिंह ने बताया कि नयापुरा इलाके के खाई रोड एक व्यापारी ने थाने में 15 मार्च शनिवार को शिकायत दी कि दो बदमाशों ने दिनदहाड़े रूपये की मांग को लेकर उस पर हमला किया लेकिन सर्तकता से वह बच गया। थानाधिकारी ने बताया कि पूरा घटनाक्रम दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ। दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों आरोपियों की तलाश शुरू की गई। थानाधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी आधार पर कार्यवाही करते हुए व्यापारी पर हमला करने वाले दोनों आरोपी आकाश (29) व उसके छोटा भाई राहुल (22) को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में सामने आया कि दोनों बदमाश नशे में थे और नशा करने के लिये व्यापारी से रूपयें मांगे, नहीं देने पर दोनों ने व्यापारी पर लकड़ी लेकर आये और दुकान के काउंटर पर हमला कर फरार हो गये।

युवक ने फांसी लगाई

कोटा, (निसं)। महावीर नगर थाना इलाके में एक युवक ने फांसी का फन्दा लगाकर आत्महत्या कर ली। मामले में प्रेम-प्रसंग की बात सामने आ रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महावीर नगर थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि सूचना मिली कि एक युवक दुकान के बाहर फांसी के फन्दे पर लटका हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया तो एक युवक दुकान के बाहर लगे टीन शेड पर फांसी के फन्दे पर लटका हुआ मिला। युवक को नीचे उतारकर कोटा के निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम रूम में रखवाया गया। मृतक सूरज कलोश्या (28) है। थानाधिकारी ने बताया कि सुसाइड नोट मिला है जिसमे युवती से प्रेम -प्रसंग का मामला सामने आया है।

RAJASTHAN RENEWABLE ENERGY CORPORATION LIMITED
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Office: E-166, Yudhister Marg, C-Scheme,Jaipur 302 001,Rajasthan
E-mail:wind.rrec@gmail.com website:- http://www.rrecl.com

RajKaj Ref No.: 14170850 NIT No. RRECL/WindPower/2024-25/TN-18 NIT No. RRECL/WindPower/2024-25/TN-19 Date 13-03-2025

Online tenders are invited for Operation & Maintenance and refurbishment work of two wind power projects (2 X 9.6 MW) in electronic form through https://eproc.rajasthan.gov.in detailed are as under.
1. O&M of 9.6 MW wind power project with refurbishment of 02 WTGs at Village-Akal, Jaislamer, Rajasthan
2. O&M of 9.6 MW wind power project with refurbishment of 11 WTGs at Village-Pohra, Jaislamer, Rajasthan.

The tender documents may be downloaded from 17.03.2025. For more details visit http://eproc.rajasthan.gov.in, www.energy.rajasthan.gov.in/rrecl and http://sppp.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/24/13308 Director (Technical)

Office of the Executive Engineer, PHED, Distt Rural Div I Bikaner
Email IDeepheddn1bkn@gmail.com, Contact No. 0151-2941473
No. 5593-17 Date: 07/03/2025

Notice Inviting Bid : 95-107/2024-25

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 20.03.2025 upto 02.00 PM. Other particulars of bid may be visited on the Procurement Portal http://eproc.rajasthan.gov.in and http://sppp.raj.nic.in of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 251.00 Lacs.
UBN No. PHE2425WSRC11343, PHE2425WSRC11344, PHE2425WSRC11345, PHE2425WSRC11346, PHE2425WSRC11347, PHE2425WSRC11348, PHE2425WSRC11349, PHE2425WSRC11350, PHE2425WSRC11351, PHE2425WSRC11352, PHE2425WSRC11353, PHE2425WSRC11354, PHE2425WSRC11355

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(Rajiv Dutta) Executive Engineer
PHED, Distt (R) Div I Bikaner
DIPR/C/3654/2025

सचिन पायलट ने शहीद कमांडो कुलदीप सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया

- किसान सम्मेलन में पायलट ने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा
- सरकार कर रही किसान और युवाओं से छलावा : पायलट

समारोह में सचिन पायलट, सांसद भजनलाल जाटव, विधायक अनीता जाटव आदि मौजूद रहे।

हिण्डौन सिटी, (निसं)। एआईसीसी के महासचिव सचिन पायलट सोमवार को करौली जिले के हिण्डौन सिटी दौरे पर रहे। यहां सचिन पायलट ने तिघरिया गांव के मोडानकापुरा में शहीद कमांडो कुलदीप सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। पायलट ने शहीद के मासूम बच्चे को दुलार कर आशीर्वाद दिया व वीरांगना पत्नी को सांत्वना दी।

इसके बाद किसान सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए सचिन पायलट ने कहा कि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार किसान और युवाओं से छलावा कर रही है। उन्होंने कहा कि हिण्डौन के तिघरिया गांव के हर घर से भारतीय सेना में एक या दो फौजी हैं, जो राष्ट्र के प्रति पूरी तरह से समर्पित हैं। कइयों ने तो देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत होकर शहादत भी दी है।

ऐसे ही वीर सपूतों में से एक थे शहीद कुलदीप सिंह, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राणों को न्योछावर कर तिघरिया गांव ही नहीं बल्कि हिण्डौन और पूरे करौली जिले का नाम रोशन किया। पायलट ने कहा कि केंद्र सरकार ने फौज की तैयारी करने वाले युवाओं के साथ अग्निवीर भर्ती के नाम पर छलावा किया है, सिर्फ साढ़े चार साल में अग्निवीर को सेवा से फ्री कर दिया जाता है, लेकिन भाजपा के नेता मंत्री बनकर युवा और किसानों को छल रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को समर्थन मूल्य के नाम पर भ्रमित किया जाता है, जबकि उनके खेतों में पैदा हुई उपज को समर्थन मूल्य पर खरीदा नहीं जाता है। कार्यक्रम में सांसद भजनलाल जाटव, क्षेत्रीय विधायक अनीता जाटव, टोडाभीम विधायक घनश्याम महर, दौसा विधायक डीसी बैरवा, उत्तरप्रदेश के मेरठ से विधायक अतुल प्रधान, गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैसला, कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा समेत कई विधायक और कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद रहे।

चार दिन से लापता मासूम का शव कुएं में मिला

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम गुंदाली गांव से एक 17 वर्षीय छात्र चार दिनों से लापता था। सोमवार को लापता सुरेश रेगर का शव सुनसान जगह पर कुएं में तैरता नजर आया। जब महिला कुएं में पानी निकालने गई तो देखा कि कुएं के अंदर तैरता शव नजर आया।

महिला ने चिल्लाकर लोगों को इकट्ठा किया और सरवाड़ थाने को सूचना दी गई। मौके पर ही काफी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। चार दिन से लापता छात्र की जगह-जगह तलाश की, आखिरकार में छात्र का शव कुएं में मिला। शव को ग्रामीणों की मदद से बाहर निकाला गया। वहीं यह एक पहेली बना हुआ है कि हत्या है या आत्महत्या। जानकारी के अनुसार मृतक अपने पिता का एक इकलौता बेटा था। जब इसकी सूचना मिली तो सैकड़ों लोगों की भीड़ लग गई। सरवाड़ थाना प्रभारी जगदीश प्रसाद चौधरी मय जाब्ते के साथ बड़गांव के जंगल में पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मोर्चरी में भिजवाया।

अज्ञात कुमाता ने बालिका को रास्ते में फेंका

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के भगवानपुरा में सोमवार को मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई। दिन में एक बजे भरी दुपहरी में जब लोग घर से बाहर आने से कतराने लगे हैं, लेकिन वहीं एक कुमाता का दिल नहीं पसीजा और जन्म देने के तुरंत बाद ही कुमाता ने नवजात बच्ची को कंबल में लपेटकर मरने के लिए सड़क के किनारे छोड़ दिया। नवजात बालिका के रोने की आवाज सुनकर आसपास के गुजर रहे राहगीर मौके पर पहुंचे और बच्ची को भगवानपुरा की सीएससी अस्पताल में भर्ती कराया। ग्रामीणों ने चंदा इकट्ठा करके बच्ची के इलाज की व्यवस्था की। वहीं थाना मांडल थाना पुलिस मौके पर पहुंची ।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल-सब्जी), बीकानेर

NIB No. : 02/2024-25 Dated : 11/03/2025

E-Bids are invited from Manufacturers/ Direct importers/ Authorized Dealer up to 3.00P.M. of 27.03.2025 for procurement of Electronic Grading And Cleaning Unit for Fruits and Vegitable for E-nam on behalf of office of the Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V), Bikaner. Details may be seen in the Bidding Document at the office of the Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V), Bikaner or State Public Procurement Portal website "sppp.raj.nic.in" or "https://eproc.rajasthan.gov.in" or website "www.mandi.agriculture.rajasthan.gov.in" The bidding document may be downloaded from either of the above websites and uploaded duly filled in with payment of Rs. 1180/-(1000+18% GST) through banker's cheque/demand draft in favour of Secretary, Krishi Upaj Mandi Samiti (F&V), Bikaner at Bikaner Details of bid are following:-

S.No.	BID Title
1.	Electronic Grading And Cleaning Unit For Fruits And Vegetables

Raj.Samwad/C/24/13237 Secretary
Krishi Upaj mandi Samiti (F&V), Bikaner

कार्यालय संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, बीकानेर
[Chopra Katia, Rani Bazar, Bikaner Phone No.- 0151-2226681
Email: dlo.bik@rajasthan.gov.in

क्रमांक : सान्याअवि/बीका./ लेखा/निविदा/2025/14410 दिनांक : 07/03/25

ई-निविदा आंमत्रण सूचना सं. 02-04/2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बीकानेर संभाग के सभी जिलों (बीकानेर, श्रीगंगानगर, चुरू, हनुमानगढ़) में संचालित राजकीय अनुसूचित जाति, स्वच्छकार, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में पलंग आयरन विद प्लाई एवं गद्दे फॉम बेस्ड ऑर्थोफाइबर, तकिया तथा कम्बल, बेडशीट, तकिया कवर, दरी बेड, खेस एवं रसोई के बर्तन इत्यादि क्रय करने हेतु निर्धारित स्पेशिफिकेशन अनुसार जीएसटी अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत / बोनाफाइड विर्निमाता /पंजीकृत डीलर एवं प्राधिकृत राजस्थान में स्थित सूक्ष्म एवं लघु उद्योग आदि पंजीकृत फर्मों से दिनांक 18.03.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत सूचना एवं शर्तें कार्यालय पर कार्य दिवस में प्रातः 9:30 से सांय 06:00 तक एवं वेबसाईट htpp://www.eproc.rajasthan.gov.in और htpp://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
UBN NO.- 1. SOC2425GLOB00267, 2. SOC2425GLOB00268, 3. SOC2425GLOB00269
NIB CODE- SOC2425A0239

(लीलाधर पंवार)
संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग बीकानेर
DIPR/C/3788/2025

तालाब में युवक का शव मिला

बौंली-बामनवास, (निसं)। उपखंड मुख्यालय बामनवास के बिछिया तालाब पर सोमवार को एक युवक का शव तैरता मिला। इस सूचना से उपखंड मुख्यालय पर सनसनी फैल गई एवं काफी संख्या में लोग मौके पर एकत्रित हो गए। सूचना पाकर बामनवास पुलिस मौके पर पहुंची एवं ग्रामीणों की सहायता से शव को तालाब से बाहर निकाल कर चिकित्सालय के मोर्चरी में रखवाया। बामनवास थाना प्रभारी राकेश कुमार शर्मा ने बताया कि मृतक की पहचान सुरेंद्र कुमार मीणा निवासी पट्टी कला बामनवास के रूप में हुई है।

टायर फटने से बेकाबू रोडवेज बस ई-रिक्शा से टकराई, तीन की मौत

हादसे में ई-रिक्शा सवार पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत, दो गंभीर घायल

अनूपगढ़, (निसं)। टायर फटने से बेकाबू हुई रोडवेज बस और ई-रिक्शा की टक्कर में पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मामला श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ का है।

अनूपगढ़ एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि हादसे में ई-रिक्शा ड्राइवर छिन्द्र सिंह (45) पुत्र किशन सिंह और उसके बेटे जसप्रीत सिंह (18) और मनवीत सिंह (10) पुत्र अंग्रेज सिंह की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि नेशनल हाईवे-911 पर गांव 23 ए मोड में सोमवार दोपहर एक बजे यह हादसा हुआ। इस दौरान रोडवेज बस और ई-रिक्शा की आमने-सामने की जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में ई-रिक्शा में सवार पांच लोग घायल हो गए, जिन्हें अनूपगढ़ के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने छिन्द्र सिंह और जसप्रीत सिंह को मृत घोषित कर दिया। वहीं अन्य तीन घायलों को गंभीर हालत में सूरतगढ़ रेफर कर दिया। इस दौरान मनवीत सिंह (10) की रास्ते में मौत हो गई। एक का इलाज अनूपगढ़ में चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि हादसे में अंग्रेज सिंह (35), निवासी 4 के को हायर सेंटर रेफर किया गया है। अंग्रेज सिंह के दोनों हाथ फ्रैक्चर हो गए हैं। वहीं जसपाल कौर (40) निवासी 4 के बी के सिर में चोट आई है। वहीं कृष्णा (16) पुत्री सोहनलाल निवासी 17 ए बी घायल हो गईं, जिसका अनूपगढ़ में इलाज चल रहा है। कृष्णा 10वीं का पेपर देकर अनूपगढ़ लौट रही थी।

मौके पर मौजूद राकेश कुमार ने बताया कि घड़साना से अनूपगढ़ की ओर रोडवेज की बस आ रही थी। गांव 23 के मोड़ पर बस का ड्राइवर साइड का आगे वाला टायर फट गया। इसकी वजह से बस बेकाबू होकर ई-रिक्शा से टकरा गई। मृतक छिन्द्र सिंह के पिता किशन सिंह ने बताया कि उनका बेटा ई-रिक्शा चलाता था। पोता जसप्रीत 12वीं पढ़ाई करता है। छिन्द्र सिंह की 2 बेटी ममता (19) और नीतू (6) हैं। थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि तीनों मृतक गांव 4 के, के निवासी थे। मृतक छिन्द्र सिंह के पिता किशन सिंह ने रोडवेज बस ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। तीनों शवों का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

कार्यालय-सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी, सामान्य चिकित्सालय, करौली

क्रमांकः- रामेरिसो / निविदा/2024-25/255 दिनांक :- 08.03.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 01-07/2025-26

कार्यालय सामान्य चिकित्सालय करौली में उपयोग हेतु सर्विस प्रदाता ऐजेन्सी से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुहरबंद ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा के नियम एवं शर्तें, स्पेसिफिकेशन, विवरण निविदा प्रपत्र में अंकित हैं। निविदा प्रपत्र एवं संबंधित दस्तावेज वेवसाईट eproc.rajasthan.gov.in एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखे एवं प्राप्त किए जा सकेंगे।

निविदा संख्या	सामान/कार्य का विवरण	अनु लागत (लाखों में)	निविदा प्रपत्र शुल्क	निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथी एवं समय	निविदा जमा कराने की अंतिम तिथी एवं समय	निविदा खोलने की तिथी एवं समय
01/ 2025-26	हैल्पर, सफाईकर्मी, आदि (UBN-MHS2425SLOB05249)	99.63	1000	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	20.03.2025 12.00 P.M.
02/ 2025-26	सुरक्षा गॉर्ड, स्वास्थ्य मार्गदर्शक, कम्प्युटर ऑपरेटर्स मशीन विद मैन, फार्मासिस्ट, ब्लड बैंक काउन्सलर, इलेक्ट्रीशियन, वाहन चालक एवं प्लम्बर आदि (UBN-MHS2425SLOB05250)	96.27	1000	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	20.03.2025 12.00 P.M.
03/ 2025-26	मुद्रण एवं लेखन कार्य (UBN-MHS2425SLOB05253)	12.00	500	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	21.03.2025 12.00 P.M.
04/ 2025-26	एक्स-रे/सिटी स्केन सोनोग्राफी फिल्म व जैली सामग्री आपूर्ति (UBN-MHS2425SLOB05251)	20.00	500	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	21.03.2025 12.00 P.M.
05/ 2025-26	प्रयोगशाला सामग्री कैमिकल एवं जॉच किट्स एवं ब्लड बैंक सामग्री (UBN-MHS2425SLOB05252)	22.00	500	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	21.03.2025 12.00 P.M.
06/ 2025-26	सर्जिकल एवं कन्जूमेवल सामग्री, डिस्पोजल सिरेन्ज, आईवी सेट्स, कैनुला एवं अन्य सामग्री (UBN-MHS2425SLOB05254)	15.00	500	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	24.03.2025 12.00 P.M.
07/ 2025-26	भेषज एवं ऑषधियों (जैनरिक) आपूर्ति (UBN-MHS2425SLOB05255)	15.00	500	19.03.2025 3.00 P.M.	19.03.2025 4.30 P.M.	24.03.2025 12.00 P.M.

नोट :- उक्त निविदा दिनांकों में यदि कोई राजकीय अवकाश/अन्य अवकाश, आकस्मिक रूप से घोषित होता है तो उक्त दिवस से सम्बन्धित निविदा कार्यवाही आगामी कार्य दिवस को सम्पन्न की जायेगी।

सदस्य सचिव एवं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी
सामान्य चिकित्सालय, करौली
DIPR/C/3632/2025

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जोबनेर (जयपुर)
क्रमांक / न.पा.जो. / 2024–2025 / 2713 दिनांक 12.03.2025

निविदा आमन्त्रण सूचना/2024–2025

नगर पालिका जोबनेर द्वारा केश / विकास / स्टोर शाखा से कार्य करवाने हेतु कार्य संख्या 2 कार्यो की निविदा आमन्त्रित की जा रही है। उक्त कार्यो की अमानता राशि, बिड की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।
UBN NO.- 1. DLB2425WSOB20074, 2. DLB2425WSOB20076
राज.संवाद / सी / 24 / 13299 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- अ.अ./विद्युत-II/राजकाज 14143599 दिनांक :- 12/03/2025

ई-बिड सूचना संख्या :- जोन विद्युत-II/10/2024-25

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एवं राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।
NIB CODE :- JOD2425A0178
UBN/TENDER ID :- JOD2425WSOB00399
कार्य की अधिकतम अनुमानित लागत – रूपये 3,18,50,390 / –
राज.संवाद/सी/24/13223 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-II)

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफैक्स: 0141-2208098

अल्पकालीन निविदा-सूचना

एच टी एक्स एल पी ई केबल (11 KV, 3Cx185 Sq. mm, 11 KV, 3Cx120 Sq. mm.) (निविदा संख्या–5018) (UBN-VVN2425GLOB01238) की खरीद हेतु 'ई–प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl द्वारा जाने जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन / तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/24/13265 जेपीआर - 2966 (2025) अधीक्षण अभियन्ता (एम.एम.-प्रथम)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

LIVESTOCK RESEARCH STATION: BEECHWAL
(RAJASTHAN UNIVERSITY OF VETERINARY & ANIMAL SCIENCES: BIKANER)
No. : F ( )/LRS Beechwal/2024-25/531 Dated :- 12/03/2025

खुली प्रतियोगी बोली आमंत्रण सूचना सं0 01/2024-25

पशुधन अनुसंधान केन्द्र, बीछवाल फार्म में फोरेज हार्वेस्टर और पावर रिपर मशीन की आपूर्ती हेतु दो कवर (तकनीकी व वित्तीय बिड) ऑफलाईन निविदा आंमत्रित की जाती है, जिसमें मूल निर्माताओं / प्राधिकृत व्यवहारियों / सदभाविक व्यवहारियों के माध्यम से दिनांक 12.03.2025 से 18.03.2025 को सुबह 11.30 बजे तक ऑफलाईन / ऑनलाईन निविदा डाउनलोड की जा सकती है। निविदा की अनुमानित लागत रूपये 06.00 लाख है। निविदा प्रपत्र व निविदा की शर्ते एवं अन्य विस्तृत विवरण स्टेट पोर्टल की वेबसाईट http//sppp.raj.nic.in व विभाग की वेबसाईट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है। UBN No.: VAU2425GSOB00147, 00148
राज.संवाद/सी/24/13236 प्रभारी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका मांगरोल जिला–बारां (राज.)
E-Mail : npmangrol05@gmail.com Phone : 07457-223203
क्रमांक : नपमां / स्टोर / 2025 / 4492 दिनांक : 10.03.2025

ई टेण्डर सूचना (वर्ष 2025–26)
NIB CODE- DLB2425A6365

नगर पालिका मांगरोल जिला–बारां द्वारा नगर पालिका वाहनों पर ड्राईवर, हेल्पर, फायरमैन डिप्लोमाधारी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सफाई कर्मी, चौकिदार व अन्य श्रमिक उपलब्ध कराने के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा UBN No- DLB2425WSOB20167, DLB2425WSOB20169 आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.raj.nic.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें।

अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद / सी / 24 / 13219 नगर पालिका मांगरोल

घर पर छापा मारकर तीन किलो अफीम बरामद की

- मकान में पानी की टंकी में अफीम लटका रखी थी

कोटा, (निसं)। केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम कोटा और चितौड़गढ़ सेल के अधिकारियों ने चितौड़गढ़ के गांव में संयुक्त रूप से एक घर पर छापामार कार्यवाही कर 3.223 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम जब्त की। यह कार्रवाई उप नारकोटिक्स आयुक्त कोटा के नरेश बुन्देल के मार्गदर्शन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुन्देल ने बताया कि राजस्थान में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) टीम द्वारा लगाता प्रयास किये जा रहे हैं। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि मायरा, पी.एस. बिजयपुर, चितौड़गढ़ के गांव में किसी व्यक्ति ने घर में मादक पदार्थ अफीम को छिपा रखा है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम को मौके पर भेजा गया। कोटा की (सीबीएन) टीम ने चितौड़गढ़ सेल के अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर संदिग्ध मकान की तलाशी ली। बुन्देल ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान अवैध अफीम को भूरे रंग के टेप से पॉलीथीन के बैग में लपेटा गया था, जो खुले क्षेत्र में मकान की छत पर स्थित पानी की टंकी में लटका हुआ था। टीम ने मौके पर अवैध मादक पदार्थ 3.233 किलोग्राम अफीम को बरामद किया। बरामद अफीम को एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त किया गया। आगे की जांच प्रकिया जारी है। उप नाकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने कहा कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ टीम की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि राज्य में नशीले पदार्थो के अवैध व्यापार पर अंकुश लगाया जा सके।

शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने इलाके में गश्त के दौरान देशी शराब के 52 पव्वों सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि इलाके में गश्त के दौरान मुखबीर की सूचना पर मल्टीपरपज स्कूल के पीछे से अवैध देशी शराब के 52 पव्वो सहित कृष्णा विहार तालाब गांव निवासी रानू उर्फ इरफान (39) को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान पूरा कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराजमार्ग, अजमेर
दूरभाष–0145–249953, फैक्स–0145–2433813, Email– ajmermc@gmail.com, webajmermc.org.

क्रमांकः ननिअज / कां.हा. / 2024–25 / 1033 दिनांक :– 12.03.2025

: ई–निविदा सूचना संख्या /2025–26 :

वित्तीय वर्ष 2025–26 तक की अवधि के लिये कांजी हाउस मे ज्वार की कुटटी / खाखला उपलब्ध कराने हेतु ई–निविदा
महत्वपूर्ण दिनांक का विवरण

विवरण	दिनांक / समय
ऑन लाईन निविदा फॉर्म मिलना प्रारम्भ होने की दिनांक व समय	12.03.2025 सांय 3.00 बजे
ऑन लाईन निविदा फॉर्म मिलना समाप्त होने की दिनांक व समय	21.03.2025 सांय 3.00 बजे
बोली प्रतिभूति राशि, निविदा शूल्क / प्रोसेसिंग शुल्क	21.03.2025 सांय 3.00 बजे
ऑन लाईन निविदा खोलने की दिनांक व समय	21.03.2025 सांय 4.00 बजे

कांजी हाउस मे ज्वार की कुटटी / खाखला उपलब्ध कराने हेतु तकनीकी रूप से सफलता निविदादाता को नेट के माध्यम से सूचित कर दिया जायेगा। निविदा का विवरण निम्न प्रकार हैः–

कार्य का विवरण	अनुमानित व्यय राशि	निविदा शुल्क राशि	कार्य करने की अवधि (वर्ष)	प्रोसेसिगं फीस MD RISL JAIPUR	कार्य सम्पादक प्रतिभूति 2 प्रतिशत राशि
1	2	4	5	6	7
कांजी हाउस में ज्वार की कुटटी / खाखला उपलब्ध कराने हेतु । वित्तीय वर्ष 2025–26	35.00 लाख	1,000 / – बैक ऑफ महाराष्ट्र पी.आर. मार्ग अजमेर के खाता न. 20168012381 IfsC Code- MAHB0001231	वर्ष 2025–26	500 / – ICICI Bank Ajmer के खाता नं. 018501006063 ISFC Code ICIC0000185	70,000 / – एस.बी.आई बैक पी.आर. मार्ग अजमेर खाता न. 41777214185 ISFC Code- SBIN0001568

नोट :–
1. फर्म द्वारा प्रस्तुत निविदा ही मान्य होगी।
2. सशर्त निविदा स्वीकार नही की जावेगी।
3. कार्य शर्तो के तहत् मूल / छायाप्रति दस्तावेजो के बिना निविदा मान्य नही की जावेगी।
4. शेष शर्तो की जानकारी वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर पंचशील स्थित कांजी हाऊस में देखी जा सकती है।

NIB CODE : ANN2425A0216
UBN NO. : ANN2425SLOB00346

राज.संवाद / सी / 24 / 13283 प्रभारी अधिकारी कांजी हाउस, नगर निगम, अजमेर — उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने लगवाया 500 बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका

- अपने मानदेय की राशि में से टीकाकरण का खर्च उठाकर देशभर में पेश की अनुकरणीय पहल
- जवाहर कला केंद्र में आयोजित शक्ति वंदन महोत्सव का धूमधाम से हुआ समापन
- ग्रेटर महापौर ने स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ''300 स्टॉल'' प्रदर्शनी भी लगवाई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की पहल पर देश में पहली बार सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित सफाई कर्मचारियों की बच्चियों व स्कूली छात्राओं को निःशुल्क टीकाकरण करवाया गया। इस दौरान बच्चियों ने ''कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा'' के नारे भी लगाए। गौरतलब है कि महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने अपने मानदेय की राशि में से सर्वाइकल कैंसर के टीकों की राशि का भुगतान किया है। शिविर में 500 बच्चियों को टीकाकरण के लिए नामांकित किया गया था।

दरअसल जवाहर कला केंद्र में 15 से 17 मार्च तक शक्ति वंदन महोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव के अंतिम दिन सी 'फूलों की होली' भी खेली गई। मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर ने घरेलू उत्पाद बनाने वाली लगभग 300 महिलाओं को प्लेटफार्म प्रदान करते हुए निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध करवायी। चूंकि यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ''आत्मनिर्भर भारत एवं विकसित भारत'' के सपने को साकार करने तथा प्रतिभाओं को अवसर देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की इस जनकल्याणकारी पहल और महिलाओं को समर्पित ''शक्ति वंदन महोत्सव'' का उदघाटन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने किया था। इस तीन दिवसीय महोत्सव का मुख्य आकर्षण सर्वाइकल कैंसर पीड़ितों का निःशुल्क टीकाकरण रहा।

जयपुर के जवाहर कला केंद्र में 15 से 17 मार्च तक आयोजित शक्ति वंदन महोत्सव में घरेलू उत्पाद बनाने वाली महिलाओं ने प्रदर्शनी लगाई। इस दौरान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने उन्हें प्रोत्साहित किया।

महापौर ने बताया कि देश में महिलाओं में फैलने वाली कैंसर में ''सर्वाइकल कैंसर'' दूसरे स्थान पर आता है, इसकी समय रहते रोकथाम के लिए इसका एकमात्र उपाय समयबद्ध तरीके से किया टीकाकरण ही है। हमारे देश की बच्चियां हमारे कल का भारत है, इनकी सुरक्षा हमारा पहला दायित्व है। इससे बचाव के लिए जागरूक करने के लिए महोत्सव के दौरान डॉक्टर्स व विषय विशेषज्ञों के साथ टॉक शो भी आयोजित किये गये, जिससे कि आमजन को इस बीमारी के बारे में अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध हो सके।

कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों की बच्चियों एवं स्कूली छात्राओं ने बढ़-चढ़कर टीकाकरण कराया, जिसमें टीकाकरण के लिए लगभग 500 बच्चियां को नामांकित किया गया। टीकाकरण कराने वाली बच्चियों द्वारा टीकाकरण के दौरान ''कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा'' के नारे भी लगाये गये।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा की यह पहल देश में पहली बार की गयी है। इस प्रकार की पहल से देश में सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता और इससे बचाव के लिए आमजन प्रोत्साहित होगें। जिससे समयबद्ध तरीके से सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण होने पर देष सर्वाइकल कैंसर मुक्त हो सकेगा।

इस समारोह में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ''वोकल फॉर लोकल'' के तहत प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु सृजन, श्री अन्नम्, वस्त्रम्, सौन्दर्यम्, हरितम् (पर्यावरण), रत्नम्, वेस्ट टू वेल्थ, संस्कृति सम्बन्धी 300 स्टॉल-प्रदर्शानी लगाई जाकर उत्पादों को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कैंसर हारेगा, भारत जीतेगा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण की पहल, निडर नारी, सषक्त भारत आत्मरक्षा का संकल्प, युग परिवर्तन की आधारशिला ''नारी शक्ति वंदन'', मेरी कहानी मेरी जुबानी, शक्ति वंदन भारत के स्व का अभिनंदन, चेंज मेकर-द रियल वूमेन, आर्थिक सशक्तिकरण, उद्यमिता में नारी शक्ति, स्वस्थ्य नारी समृद्ध समाज, साक्षरता-डिजिटल, फाइनेंशियल, लीगल टॉक शो भी आयोजित करते हुए महिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित किये जाकर महिला सशक्तिकरण के कदम उठाये गये।

साथ ही अहिल्याबाई होल्कर के जीवन वृतांत पर प्रकाश डालते हुए महिला सशक्तिकरण व राष्ट्र निर्माण में दिये गये योगदान से आमजन को प्रेरणा लेने के लिए अहिल्या बाई होल्कर प्रदर्शनी भी आयोजित की गयी। महोत्सव के दौरान राजस्थानी कला और संस्कृति को प्रोत्साहन करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं फागोत्सव का आयोजन किया गया।

दिया कुमारी ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात की

जयपुर/नई दिल्ली। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सोमवार को नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य, रसायन तथा उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने राजस्थान के विकास संबन्धी विषयों पर विस्तृत चर्चा कर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

वहीं दूसरी ओर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से सोमवार को दिया कुमारी ने मुलाकात की। दोनों के बीच राजस्थान में नए पर्यटन आयाम तलाशने, सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के साथ विशेष रूप से ट्राइबल टूरिज्म और रूरल टूरिज्म को बढ़ावा देने की चर्चा के साथ शेखावाटी इलाके में हवेलियों के संरक्षण एवं पर्यटन की अपार संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय में हुई बैठक में पर्यटन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

चारदीवारी में जुलूस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई

विधायक बालमुकुंद आचार्य व भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल ने पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर। धुलंडी पर जौहरी बाजार, बड़ी चौपड़, हवा महल, चांदी की टकसाल होते हुए आमेर रोड तक दुपहिया और चौपहिया वाहनों से रैली निकालने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। हवा महल विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य और शहर भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल ने सोमवार को पुलिस कमिश्नर से मिलकर ज्ञापन सौंपते हुए कार्यवाही की मांग की।

विधायक बालमुकुंद आचार्य ने बताया कि झुंड में मोटरसाईकिलों पर चार-चार व्यक्ति बैठे थे। उन्होंने मार्ग में देशी-विदेशी पर्यटकों के साथ अभद्रता और मारपीट की। मकानों के बाहर खड़े वाहनों के शीशे तोड़े। गोविंद देव जी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं विशेषकर महिलाओं के साथ अभद्रता और आपत्तिजनक टिप्पणियां की। इससे जयपुर के समस्त सनातनियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। पर्यटकों के साथ दुर्व्यवहार किए जाने से प्रदेश की छवि धूमिल हुई है। दो दिन बाद आमेर रोड, रामगढ़ मोड पर पुनः रैली निकालकर आपराधिक कृत्यों की पुनरावृत्ति की गई। निरंतर निकाली जा रही रैली का मकसद सिर्फ आमजन में भय व्याप्त करना है। विधायक बालमुकुंद आचार्य ने दोनों दिन धार्मिक उन्माद फैलाने की नीयत से निकाली गई रैली में दोषियों की पहचान कर कानूनी कार्यवाही करने तथा बिना अनुमति रैली निकालने पर दोषी पुलिस अधिकारियों के विरूद्ध भी कार्यवाही करने की मांग की।

भजनलाल शर्मा पहुंचे दांत का इलाज करवाने

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार अपने दांतों के इलाज के लिए मानसरोवर स्थित निजी डेंटल क्लिनिक पहुंचे। जहां मुख्यमंत्री ने दांतों की रूटिन जांच करवाई। इस दौरान करीब दो घंटे तक वे क्लिनिक में रहे।

मानसरोवर रजत पथ स्थित माहेश्वरी डेंटल क्लिनिक पर पहुंचे ड्रॉक्टर ने भजनलाल शर्मा के दांतों की सीनियर डेंटिस्ट डॉ. नीलम माहेश्वरी ने जांच की और ट्रीटमेंट किया। बताया जा रहा कि मुख्यमंत्री के दांत की आरसीटी की गई, जिसके कारण उनको क्लिनिक पर करीब 2 घंटे से ज्यादा समय तक रूकना पड़ा। इस दौरान एसएमएस प्रिंसिपल डॉ. दीपक माहेश्वरी ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास

जयपुर। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ ने वार्ड 138 ओझा जी के बाग में विधायक कोष से प्रदत्त राशि 14 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। नटवर कुमावत ने बताया कि वार्ड 138 ओझा जी के बाग में स्थानीय लोगों की मांग पर विधायक कोष से प्रदत्त 14 लाख रुपये की राशि से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया।

योजनाओं में फर्जीवाड़ा करने वालों से वसूली की हो कार्यवाही : दक

- अनियमितताएं रोकने के लिए खरीद केन्द्रों पर नये अधिकारी करें नियुक्त

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि किसानों को अधिक से अधिक राहत मिले, यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। किसानों तथा सहकारी सदस्यों को लाभ पहुंचाने की दृष्टि से राज्य बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिनकी समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनियमितताओं के मामलों में सख्त रुख अपनाते हुए कठोर कार्यवाही की जाए।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित किया।

सहकारिता मंत्री सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में राज्य बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं सहित विभागीय गतिविधियों की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अकृषि ऋणों की वसूली के लिए अधिनियम के अनुसार कार्यवाही की जाए तथा अवधिपार ऋणों की वसूली के लिए ऋणी सदस्यों को नोटिस देने के साथ ही समझाइस की जाए। श्री दक ने एकमुश्त समझौता योजना का ड्राफ्ट वित्त विभाग से अनुमोदन के लिए शीघ्र भिजवाए जाने तथा योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने योजना के बारे में सभी ऋणियों को कॉल सेन्टर के माध्यम से सूचित करने के लिए एजेंसी हायर करने के भी निर्देश दिए।

दक ने अप्रेल से शुरू होने जा रही चना-सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद को लेकर राजफैड अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हैण्डलिंग और ट्रांसपोर्ट के टेंडर को लेकर उप रजिस्ट्रारों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। टेंडर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शितापूर्ण होनी चाहिए। सहकारिता मंत्री ने निर्देश दिए कि खरीद केन्द्रों पर यथासंभव नये अधिकारियों को जिम्मेदारी दी जाए, जिससे अनियमितता की संभावना नहीं रहे। उन्होंने कहा कि जिन खरीद केन्द्रों पर पूर्व में अनियमितताएं हुई हैं, उनकी जांच करवाई जाए। साथ ही, उनका भुगतान रोकने की कार्यवाही भी की जाए। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शुरूआत से ही लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूरा करने में पूरे मनोयोग से जुट जाएं, जिससे बजट घोषणाओं को समयबद्ध रूप से पूरा किया जा सके।

प्रदेश में 31 मार्च तक चलाया जाएगा सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा

जयपुर। राजस्थान पुलिस की ओर से समस्त प्रदेश में 31 मार्च तक सुरक्षा सखी संवाद पखवाड़ा चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य राज्य में महिला और बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाना, उन्हें सुरक्षित वातावरण प्रदान करने तथा स्थानीय पुलिस से संवाद स्थापित करना है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स एवं एएचटीयू मालिनी अग्रवाल ने बताया कि महिला सखी सुरक्षा पखवाड़ा एक अभियान है, जिसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। यह पखवाड़ा महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करता है और उन्हें हिंसा और उत्पीड़न से बचाने के लिए विभिन्न संसाधनों और सेवाओं तक पहुँचने में मदद करता है। प्रत्येक एसएचओ द्वारा तीन सुरक्षा सखियों को अभियान में भाग लेने के लिए चिन्हित किया गया है। पर्यवेक्षण तीन सुरक्षा सखियों से संपर्क कर सहयोग और उनके कार्यों की समीक्षा करने एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। एसएचओ चिन्हित सुरक्षा सखियों को अभियान के तहत कानून की जानकारी देने के लिए महिला अत्याचार से संबंधित कानून एवं उनके कर्तव्यों के बारे में बताएंगे। सुरक्षा सखी अपने क्षेत्र में घर-घर जाकर व्यक्तिगत रूप से महिलाओं और बालिकाओं से संपर्क कर उनको महिला संबंधी कानूनों की जानकारी देकर उनके द्वारा बतायी गयी समस्याओं या सुझावों के बारे में जान पुलिस को अवगत करवायेंगी। जागरूकता अभियान की समाप्ति के पश्चात् जागरूकता अभियान में प्रत्येक जिले से सराहनीय कार्य करने वाली 5 सुरक्षा सखी को पुलिस आयुक्त और रेंज महानिरीक्षक रेंज स्तर पर सम्मानित करेंगे।

राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए पारदर्शिता से जुड़ी कार्य संस्कृति का हो विकास : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की।

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि प्रशासनिक और लेखा सेवा में राष्ट्रिहत को सर्वोपरि मानते हुए अधिकारी पूर्ण पारदर्शिता की कार्य की संस्कृति का विकास करें। उन्होंने समय के साथ जीवन प्रबंधन को जोड़ते हुए नैतिक मूल्यों के लिए कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजकीय सेवा में आने के बाद अधिकारियों को यह चाहिए कि वे जन कल्याण से जुड़े कार्यों और विकास योजनाओं का प्रभावी रूप में क्रियान्वयन करें।

बागडे सोमवार को राजभवन में राजस्थान प्रशासनिक और लेखा सेवा के वर्ष 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। राजभवन में अतिरिक्त मुख्य सचिव और हरिश्चन्द्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा की पहल पर इन अधिकारियों की राज्यपाल से मुलाकात हुई।

इस दौरान राज्यपाल ने प्रशिक्षु अधिकारियों के कार्य और प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि राज्य और देश के विकास में वे भविष्य में सार्थक भूमिका निभाएं। उन्होंने लोकसभा के पहले अध्यक्ष रहे श्री गणेश वासुदेव मावलंकर का उदाहरण देते हुए कहा कि संसदीय परम्पराओं और मर्यादाओं के साथ लोक प्रशासन की देश में उन्होंने नींव रखी। उन्होंने आचार्य चाणक्य और अन्य महापुरुषों का संदर्भ देते हुए कहा कि राजकीय सेवा में ईमानदारी और राजकीय हित को प्रमुखता देते हुए कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जीवन में भोजन के साथ हर स्तर पर व्यवस्थित नियोजन और प्रबंधन यदि आप करते हैं, तभी पदस्थापित पद पर अपने आपको प्रभावी रूप में साबित कर पाएंगे।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वीराज ने अधिकारियों से पूर्ण निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच जरूरी है। अधिकारी राजकीय हित में अपनी पूर्ण क्षमता के साथ काम करें। आरंभ में हरिश्चन्द्र माथुर लोक प्रशासन संस्थान की अतिरिक्त महानिदेशक शैली कृष्णा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा और लेखा सेवा के प्रशिक्षु 107 अधिकारियों के प्रशिक्षण और ओटीएस की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

नायब सरकार कर रही है नए हरियाणा का निर्माण : डॉ. पूनिया

चंडीगढ़। भाजपा हरियाणा प्रदेश प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार के वित्त वर्ष 2025-26 के बजट को नायाब, विजनरी और प्रोग्रेसिव बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में सभी तबके के लोगों को छूआ गया है और यह बजट अंत्योदय की कल्पना को साकार करने वाला बजट है। कृषि, पशुपालन, भेड़-बकरी चराने वाले से लेकर आंगनवाड़ी तक और आर्टिफिशियल इंटलेजेंसी से लेकर एयरपोर्ट तक यानि सभी चीजों का प्रावधान बजट में किया गया है।

पूनिया ने कहा कि, विश्व के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 के विजन को समर्पित मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा को विकसित बनाने के लिये वित्त वर्ष 2025-2026 का एक विजनरी बजट पेश किया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने बहुत ही बेहतरीन एवं जनकल्याणकारी बजट पेश किया है।

'लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के स्थाई समाधान करें'

- पुलिसकर्मियों की समस्याओं के प्रति मुख्यमंत्री गंभीरः गृह विभाग की बुलाई बैठक

जयपुर। राजस्थान पुलिस के जवानों व अधिकारियों द्वारा 15 मार्च को पुलिस होली नहीं मनाने की जानकारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संज्ञान में आने पर उनके द्वारा इस विषय में सोमवार को मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त विभाग, महानिदेशक पुलिस एवं शासन सचिव कार्मिक विभाग से विचार विमर्श कर आवश्यक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग आनन्द कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री को यह भी अवगत कराया गया कि पुलिसकर्मियों की सेवा संबंधी कुछ मांगें पिछले 5-6 वर्षों से विचाराधीन हैं। इनमें उनकी पदोन्नित, वेतन, अवकाश संबंधी मांगे शामिल हैं।

मुख्यमंत्र ने इस विषय को काफ़ी गंभीरता से लिया है व अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से संबंधित एवं उनके कल्याणार्थ बिंदुओं पर अतिशीघ्र आवश्यक उचित कार्यवाही करने एवं लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का स्थाई समाधान करने के निर्देश दिये हैं।

निकट भविष्य में पुलिसकर्मियों से संबंधित इन सभी बातों का विभाग स्तर पर परीक्षण करवाकर, एक नवीन परिप्रेक्ष्य में भविष्योन्मुखी परिवर्तन लागू किए जाएंगे।

सीबीआई ने कहा कि राज्य सरकार अनुसंधान में सहयोग नहीं कर रही

हाईकोर्ट ने कहा कि सीआरपीएफ या अन्य एजेंसियों की मदद ले लो

- हाईकोर्ट ने प्रदेश में बजरी चोरी, अवैध खनन व परिवहन सहित बजरी माफियाओं से जुडे मामलों पर सुनवाई की

जयपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश में बजरी चोरी, अवैध खनन व परिवहन सहित बजरी माफियाओं से जुडे मामलों में सीबीआई को कहा है कि वह चाहे तो इन केसों में अनुसंधान के लिए सीआरपीएफ या अन्य जांच एजेंसियों से भी मदद ले सकती है। वहीं सीबीआई अवैध बजरी खनन व बजरी माफियाओं से जुडे जितने केसों में अनुसंधान करना चाहे, वह उसके लिए फ्री है। अदालत ने राज्य सरकार की एजेंसियों को सीबीआई का सहयोग करने को कहा है। वहीं अदालत ने पूर्व लीज धारक की ओर से मामले में पक्षकार बनने वाली अर्जी भी खारिज कर दी। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश बजरी चोरी के मामले में आरोपी जब्बार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि अवैध बजरी खनन व खनन माफियाओं के कारण पुलिस वाले मर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार को इसकी कोई भी परवाह नहीं है। पूरा सिस्टम ही भगवान भरोसे चल रहा है। अदालत ने मामले में राज्य सरकार को मामले में की गई कार्रवाई का ब्यौरा पेश करने के लिए 2 अप्रैल तक का समय दिया है। पिछली सुनवाई पर सीबीआई की ओर से संसाधनों की कमी का हवाला देते हुए बनास व चंबल के आसपास बजरी खनन से जुडे करीब 416 मामलों में अनुसंधान करने में असमर्थता जताई थी। जिस पर अदालत ने सीबीआई के निदेशक को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए पेश होकर यह बताने के लिए कहा था कि इन मामलों में क्या अनुसंधान चल रहा है और अदालत के आदेश की इतनी लंबी अवधि होने के बाद भी अवैध बजरी खनन व माफियाओं के खिलाफ उन्होंने उचित कार्रवाई क्यों नहीं की। गौरतलब है कि अप्रैल, 2024 को अदालत ने इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए कहा था कि स्वतंत्रता दी थी वह बनास और चंबल नदी में अवैध खनन व परिवहन से जुडे मामलों में दर्ज एफआईआर की जांच भी कर सकती है।

महाराणा प्रताप के वंशज अरविंद सिंह मेवाड़ पंचतत्व में विलीन हुए

दिवंगत अरविन्द सिंह मेवाड़ का शाही रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया।

- डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मुखाग्नि दी, शाही रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार हुआ
- अंतिम यात्रा के दौरान लोगों ने दी अंतिम विदाई, विश्वराज सिंह मेवाड़ भी अंत्योष्टि में शामिल हुए

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप के वंशज मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ की पार्थिव देह सोमवार को पंचतत्व में विलीन हो गई। आयड़ स्थित महासतिया में उनका अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार के दौरान उनके पुत्र डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने मुखाग्नि दी, इस दौरान माहौल गमगीन हो गया। इस मौके पर अरविंद सिंह मेवाड़ के भतीजे और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ भी मौजूद थे।

जानकारी के अनुसार मेवाड़ राजघराने के वरिष्ठ सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान और पारंपरिक शाही रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। उनके अंतिम संस्कार में हजारों की संख्या में लोग उमड़े और गाजे-बाजे के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। मेवाड़ की अंतिम यात्रा सिटी पैलेस के शंभू निवास से प्रारंभ हुई। इस दौरान राजसी बैंड-बाजे की धुनों के बीच पारंपरिक शाही रथ में पार्थिव देह को महासतिया ले जाया गया। अंतिम यात्रा बड़ी पोल, जगदीश चौक, घंटाघर और देहली गेट से होकर गुजरी जहां हजारों लोगों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। मेवाड़ की इस महान विभूति को अंतिम प्रणाम करने के लिए शाही परिवार, गणमान्य नागरिक, राजनेता और हजारों लोग उमड़े। बेटे लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अपने पिता को कांपते हाथों से मुखाग्नि दी तो वहां मौजूद हर आंखें छलक उठी। अरविंद सिंह मेवाड़ का रविवार को निधन हो गया था। वे लंबे समय से बीमार थे। वे सिटी पैलेस के शंभू निवास में रहते थे। यहीं पर वह डॉक्टर की निगरानी में थे।

अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा के महासतिया पहुंचने के बाद विश्वराज सिंह मेवाड़ महासतिया पहुंचे और उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। अरविंद सिंह मेवाड़ का राजशाही विधि-विधान से अंतिम संस्कार हुआ। सोमवार सुबह सिटी पैलेस स्थित शंभू निवास चौक में अंतिम दर्शनों के लिए अरविंद सिंह मेवाड़ की पार्थिव देह रखी गई। बड़ी संख्या में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों और जनप्रतिनिधियों, होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों के साथ ही मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार से जुड़े ठिकानों से आए लोगों ने अरविंद सिंह मेवाड़ को पुष्पांजलि अर्पित की।

शाही लवाजमे के साथ से अरविंद सिंह मेवाड़ की अंतिम यात्रा निकली, इस दौरान हजारों लोगों ने पार्थिव देह के किए दर्शन कर पुष्पांजलि अर्पित की। सोमवार को अंतिम यात्रा से पहले पार्थिव देह के दर्शनों के लिए शंभू निवास के बाहर अरविंद सिंह मेवाड़ की देह को बाहर लाया गया। इस दौरान लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने अर्थी को कंधा दिया। करीब 11 बजे अंतिम यात्रा सिटी पैलेस से रवाना हुई जो कि शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए महासतिया पहुंची और महासतिया में हजारों लोगों की मौजूदगी में अरविंद सिंह मेवाड़ का अंतिम संस्कार किया गया। मेवाड़ राजपरिवार के पूर्व सदस्य और नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड़ ने अरविंद सिंह मेवाड़ की अंत्योष्टि में शामिल होने के लिए महासतिया पहुंचे। इससे पहले रविवार को अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर विश्वराज सिंह मेवाड़ ने एक शोक पत्र जारी कर अंतिम संस्कार में शामिल होने की बात कही थी। इसके बाद वे सोमवार को अंतिम यात्रा में शामिल होने की बजाय सीधे महासतिया पहुंचे और श्रद्धाजलि अर्पित की।

अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन के बाद सोमवार को पुष्पाजंलि अर्पित करने के लिए कई हस्तियां उदयपुर पहुंची और एक-एक कर सिटी पहुंचने के बाद शोक संवेदना व्यक्त की गई। इस दौरान पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, ताज ग्रुप के सीईओ पुनित चटवाल, शिव (बाडमेर) विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, कवि एवं अभिनेता और डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के खास मित्रों में शामिल शैलेश लोढ़ा, पूर्व विधायक प्रीति शक्तावत, पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा, भजन गायक छोटू सिंह रावणा सहित कई लोग पहुंचे और सिटी पैलेस के शंभू निवास पहुंचकर पुष्पाजंलि अर्पित की। इस मौके पर उदयपुर जिला कलेक्टर नमित मेहता व जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने भी अरविंद सिंह मेवाड़ को श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस दौरान सभी लोगों ने पुष्पाजंलि के बाद डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया।

52 लाख रुपए की स्मैक जब्त, एक गिरफ्तार

आरोपी द्वारा निम्स कॉलेज के आसपास फुटकर बिक्री हेतु दीपू नामक व्यक्ति से खरीदना बताया

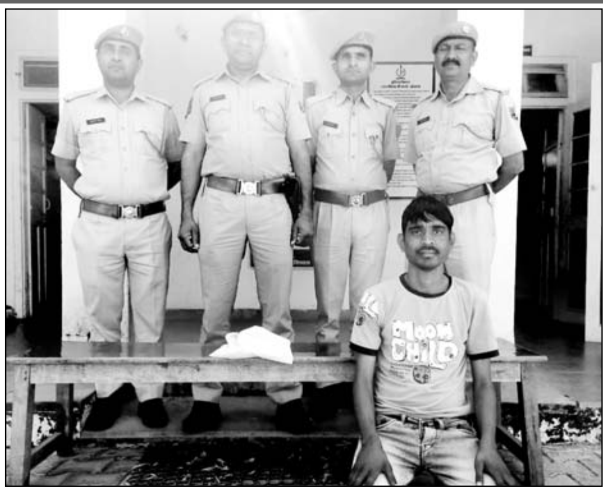

चंदवाजी पुलिस ने मादक पदार्थ रखने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

मानपुरा माचेड़ी, (निसं)। चंदवाजी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से स्मैक जप्त की है। स्मैक की कीमत करीबन 52 लाख रुपए बताई जा रही है।

जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि जिला जयपुर ग्रामीण में शैक्षिणक संस्थानों के आसपास युवा वर्ग में बढ़ते हुए नशे की प्रवृति को देखते हुए अवैध मादक पदार्थ बिक्री की रोकथाम हेतु तथा अवैध नशे का कारोबार करने वाले अपराधियों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) रजनीश पूनियां के निर्देशन में ऑपरेशन नॉकआउट अभियान चलाया जा रहा है। सोमवार को नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई हेतु वृत्ताधिकारी जमवारामगढ़ प्रदीप सिंह यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी हीरालाल सैनी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम में कांस्टेबल रोहिताश को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति चन्दवाजी से निम्स अस्पताल की तरफ स्मैक लेकर जा रहा है, जिस पर थानाधिकारी चन्दवाजी मय पुलिस टीम के गश्त करते हुये निम्स से चन्दवाजी की तरफ आ रहे थे। उसी दौरान शिव मंदिर भूरी डूंगरी के पास पहुंचे तो रॉंग साइड में सामने से एक व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया जो छिपने की कोशिश करने लगा, जिसको डिटेन कर नाम पता-पूछा गया तो अपना नाम श्याम लाल पुत्र हरीनारायण नायक निवासी जुगलपुरा पुलिस थाना चंदवाजी जिला जयपुर ग्रामीण होना बताया। कोई संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर चैंकिग की गयी तो पेन्ट की जेब में प्लास्टिक की थैली पाउडरनुमा पदार्थ से भरी मिली, जिसको चैक किया गया तो उसमे स्मैक थी। स्मैक रखने बाबत कोई लाईसेन्स/परमिट मांगा तो नहीं होना बताया जिस पर उक्त नशा कारोबारी को एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया जाकर उसके के कब्जे से 280 ग्राम स्मैक जब्त की। प्रारम्भिक पूछताछ में आरोपी द्वारा निम्स कॉलेज के आसपास फुटकर बिक्री हेतु दीपू नामक व्यक्ति से खरीद कर लाना व दीपू द्वारा उक्त माल की डिलेवरी चन्दवाजी के पास हाइवे पर देना बताया है। जब्तशुदा स्मैक की अन्तर्राष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 52 लाख रूपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान मनोहरपुर थानाधिकारी भगवान सहाय द्वारा किया जा रहा है। उक्त मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले दीपू के सम्बन्ध में आरोपी से गहनता से अनुसंधान जारी है। करवाई में चंदवाजी पुलिस थाने की टीम के रोहिताश्व की अहम भूमिका रही।

गैर लाइसेंसी नॉन वेज दुकानों को सीज किया

कोटा, (निसं)। नगर निगम कोटा उत्तर के आयुक्त अशोक त्यागी के निर्देशानुसार डीसीएम क्षेत्र में सोमवार को निगम उत्तर के उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया की अगुवाई में गैर लाइसेंसी नॉन वेज दुकानों पर सीजिंग की कार्रवाई की गई। इस दौरान अवैध रूप से संचालित 5 दुकानों को कार्रवाई कर सीज किया गया।

नगर निगम कोटा उत्तर के उपायुक्त महावीर सिंह सिसोदिया ने बताया कि डीसीएम उद्योग नगर थाना क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक व अतिक्रमण प्रभारी तरूणकांत सौमानी व राजस्व अनुभाग टीम के साथ सीजिंग की कार्रवाई को अंजाम दिया गया। उपायुक्त सिसोदिया ने बताया कि अवैध रूप से संचालित मांस व मछली विक्रेता दुकानदारों को पूर्व में भी नोटिस दिया गया था मगर इसके उपरांत भी जिन दुकानदारों द्वारा लाइसेंस प्रस्तुत नहीं किए गए व संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया उनकी दुकानों पर सीजिंग की कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मांस व मछली विक्रेताओं के दुकानदारों को नोटिस देने के बाद भी यदि कोई दुकानदार बिना लाइसेंस के मांस व मछली का विक्रय करता है तो उस दुकानदार की दुकान पर सीजिंग की कार्रवाई भविष्य में भी जाती रहेगी।

छह वर्षीय शायान ने पहला रोजा रखा

छह वर्षीय मासूम शायान काजी ने पहला रोजा रखा।

भीलवाड़ा, (निसं)। स्थानीय गुलशन नगर निवासी मोहम्मद सलीम काजी के पोते और मोहम्मद जावेद के लाडले छह वर्षीय मासूम शायान काजी ने अपनी जिंदगी का पहला रोजा रविवार को रखा। सात वर्ष की आयु से रोजे रखना फर्ज माना गया है, इसलिए सात वर्ष की आयु में कई मासूमों ने पहला रोजा रखा, मगर दिन की तेज गर्मी में भूख और प्यास के कठिन दौर से गुजर कर त्याग, तपस्या और मजहबी इबादत का संदेश देने वाले इस छह वर्षीय मासूम काजी के पहले रोजे की कामयाबी पर परिवारजन सहित रिश्तेदार और पड़ोसियों ने खुशी का इजहार करते हुए शायान को फूल मालाओं से लाद दिया और नगद पुरस्कार देकर बच्चे की हौसला अफजाई की।

बेटे की चाह में मां ने ही 17 दिन की बेटी की हत्या की थी, मां गिरफ्तार

पुलिस ने मासूम बेटी की हत्या के आरोप में मां को गिरफ्तार किया।

- मां ने बेटे की चाह में मासूम बेटी को पानी के टैंक में डालकर मार दिया था
- बेटी पैदा हुई तभी से दूसरी बेटी होने के कारण तनाव में थी मां

झुंझुनूं, (निसं)। रविवार को एक दिल दहलाने वाली वारदात सामने आई थी, जिसमें अज्ञात द्वारा एक 17 दिन की मासूम बच्ची की हत्या की खबर थी, लेकिन यह हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि खुद 17 दिन की बेटी की मां ने की थी। मां को बेटा चाहिए था, लेकिन डिलीवरी के बाद जब दूसरी बार बेटी पैदा हुई तो मां इसे बर्दाश्त नहीं कर सकी और आखिरकार जन्म के 17वें दिन घर में बने पानी के टैंक में नवजात बच्ची की डूबोकर हत्या कर दी। इसके बाद बच्ची के लापता होने का ढोंग किया।

घटना झुंझुनूं के वार्ड 53 नयाबास में रविवार की सुबह हुई। परिजनों को हालात संदिग्ध लगे तो उन्होंने मां से कड़ाई से पूछताछ की, जिसके बाद मां ने बताया कि उसे बेटे की चाह थी। शहर कोतवाल नारायण सिंह ने बताया कि पति पंकज सैनी की रिपोर्ट पर पत्नी निशा उर्फ आचकी देवी के खिलाफ बेटी की हत्या करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार झुंझुनूं शहर के वार्ड नंबर 53 नयाबास में प्रताप सैनी का परिवार रहता है। प्रताप सैनी के छोटे बेटे पंकज सैनी की पत्नी निशा उर्फ आचकी सैनी ने 28 फरवरी को अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया था, जिसके बाद वह अस्पताल में भर्ती रही। तीन मार्च को ही उसे अस्पताल से छुट्टी मिली तो उसकी दूसरी बेटी सोनिया का घर पहुंचने पर पारंपारिक रीतियों के अनुसार परिवार की महिलाओं ने स्वागत भी किया। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन रविवार सुबह जब परिवार के सभी सदस्य खेत में फसल कटाई के लिए घर से निकले। उसके करीब एक घंटे बाद निशा उर्फ आचकी ने रोते-बिलखते हुए फोन किया कि उसकी 17 दिन की बेटी सोनिया गायब हो गई।

जब 17 दिन की बेटी सोनिया गायब हुई, उस वक्त घर में निशा उर्फ आचकी, उसकी बड़ी बेटी तीन साल की नाहिरा तथा 17 दिन की बेटी सोनिया ही थी। परिवार के लोग फसल कटाई छोड़कर घर पहुंचे। पूरे मोहल्ले के लोगों ने करीब एक घंटे तक घर में और घर के बाहर मासूम को तलाश किया, लेकिन कहीं पर भी कोई जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर भी इधर-उधर तलाश किया। बाद में घर में बनी पानी की होद का ढक्कन खोलकर देखा तो उसमें 17 दिन की मासूम सोनिया का शव तैरता हुआ मिला, जिसे निकाला गया और बीडीके अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि घटना के समय घर का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था, जिसे निशा के ससुर रामप्रताप खेत जाते समय कुंदा लगाकर गए थे। 17 दिन की मासूम चारपाई से गिरकर अपने आप टैंक तक नहीं जा सकती थी। टैंक का ढक्कन भी बंद था, जिससे कोई बाहरी व्यक्ति अंदर घुसकर बच्ची को पानी में नहीं डाल सकता था। घर की चारदीवारी ऊंची थी, जिससे किसी बाहरी व्यक्ति का अंदर आना मुश्किल था। इन सभी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए परिजनों को शक हुआ तो उन्होंने निशा से सख्ती से पूछताछ की। पहले निशा झूठ बोलती रही, लेकिन जब उसकी ननद और अन्य रिश्तेदारों ने उसे घेरकर सवाल किए, तो वह टूट गई और उसने कबूल कर लिया कि उसने खुद अपनी बेटी को टैंक में डूबोकर मारा है।

लूट मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

महिला से 12 लाख नकद व 30 लाख के जेवर लूटे थे

श्रीमाधोपुर, (निसं)। नाथुसर लूट मामले में पुलिस ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। डिप्टी एसपी उमेश गुप्ता के नेतृत्व में थानाधिकारी विजय सिंह ने कार्रवाई करते हुए आमावाली निवासी नरेंद्र सिंह और नाथुसर निवासी समीर कटारिया को जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में पीछा कर दबोच लिया।

गौरतलब है कि नाथुसर निवासी संपत देवी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि तीन नकाबपोश बदमाशों ने उसे बंधक बनाकर 12 लाख नकद और करीब 30 लाख के सोने-चांदी के आभूषण लूटकर फरार हो गए थे। पुलिस ने पहले आरोपी प्रदीप सिंह शेखावत को गिरफ्तार कर लूटे गए जेवर बरामद किए थे। वहीं लूट की रकम से टाटा पंच कार खरीदने वाले अजय सिंह को भी गिरफ्तार कर कार जब्त कर ली थी। ताजा गिरफ्तारी में नरेंद्र सिंह और समीर कटारिया को चिपलता के पास जंगल में घेराबंदी कर पकड़ा गया। इस कार्रवाई में कांस्टेबल राजवीर और महेश कुमार की अहम भूमिका रही। पुलिस अब मामले में अन्य संदिग्धों की तलाश कर रही है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत गठित टीमों ने दबिश देकर मुखबिर की सूचना पर आरोपी शेरसिंह गुर्जर निवासी गुडला थाना बामनवास को सीतापुरा मोड लिवाली के पास से अवैध देशी शराब के 96 पव्वों के साथ एवं ककराला मोड लिवाली के पास से दुर्गालाल रैगर निवासी लिवाली को 94 अवैध देशी शराब के पव्वों के साथ गिरफ्तार किया।

सिलेण्डर से भरे वाहन ने बाइक सवार दंपती को टक्कर मारी, मां-बेटे की मौत

- अटरू निवासी बाइक सवार दंपती छबड़ा की ओर आ रहे थे, रास्ते में हादसा हुआ

छबड़ा, (निसं)। कस्बे के पुलिस थाने के सामने एक गैस सिलेण्डर से भरे वाहन के चालक ने अटरू की तरफ से आ रहे बाइक सवार दंपती को टक्कर मार दी। इस घटना में सात माह के मासूम व विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने वाहन को जब्त कर चालक को डिटेन कर लिया।

पुलिस के अनुसार अटरू निवासी बाइक सवार दंपती कृष्णा, इसकी पत्नी कृष्णा (30) व सात माह का मासूम भूपेंद्र अटरू से छबड़ा की ओर आ रहे थे कि गैस सिलेंडर से भरे वाहन ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मार दी, जिसमें भूपेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में घायल विवाहिता कृष्णा (30) को गंभीर अवस्था के चलते बारां रैफर कर दिया था, जिसने भी सालपुरा के निकट दम तोड़ दिया। पति कृष्णा के भी हल्की चोट आई हैं। पुलिस ने मृतक मासूम का पोस्टमार्टम करवा दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई हैं। जानकारी मिलने पर चिकित्सालय पहुंचे परिजनो का रो-रोकर बुरा हाल था। हर कोई इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध था।

सोती गांव में बंदर का आतंक, महिला पर हमला किया

- ग्रामीणों ने बंदर को पकड़ने के लिए वन विभाग और नगर परिषद को सूचना दी

झुंझुनूं, निसं)। निकटवर्ती गांव सोती में एक बंदर ने इन दिनों आतंक मचा रखा है। बंदर के आतंक से एक महिला घायल हो गई। गांव में दो दिन पहले एक बंदर देखा गया। बंदर लगातार गांव में ही घूम रहा है और आए दिन लोगों पर हमला कर रहा है। सोमवार को यह बंदर गुर्जरों की ढाणी में एक घर की छत पर बैठा हुआ था। घर में काम कर रही महिला विद्या देवी पर अचानक बंदर ने हमला बोल दिया और हाथ को काट डाला। जिससे विद्या देवी के हाथ से खून बहने लगा। इसके बाद विद्या देवी को बीडीके अस्पताल लेकर गए और वहां पर चिकित्सकों ने तीन टांके लगाकर इलाज किया। इससे पहले दिन गांव के महेश मेघवाल ने बताया कि वह सुबह दुकान पर सामान लेने निकला तो बंदर पीछे पड़ गया। इस दौरान उन्होंने भागकर जान बचाई। ग्रामीणों ने बताया कि बंदर गांव के घरों और मुख्य सड़क पर घूम रहा है। शाम को सड़क पर से गुजरने वाले लोगों और दुपहिया वाहन चालकों पर हमला कर रहा है। इससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। इधर ग्रामीणों ने बंदर को पकड़ने के लिए वन विभाग और नगर परिषद झुंझुनूं को सूचना दी हैं।

रेस्टोरेंट के किचन में आग लगी

मनोहरपुर, (निसं)। कस्बे के टोल प्लाजा के पास स्थित ब्रेकफास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट के किचन में सोमवार को शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग में करीब दो लाख रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। टोल प्लाजा के पास कस्बा निवासी अंजुम खान की ब्रेक फास्ट स्टोरी रेस्टोरेंट है, जिसके किचन में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगने से किचन में रखा डी फ्रीज सहित कई समान जलकर राख हो गए। मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया गया।

चार गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने छेड़छाड़ व मारपीट के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुमानपुरा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि महेन्द्र भट्ट, अंकित मीणा, नासीर खान एवं दीपक प्रजापति उर्फ पूडी को गिरफ्तार किया। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गये चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

भारत-पाक बॉर्डर पर घुसपैठ कर रही महिला को बी.एस.एफ. ने पकड़ा

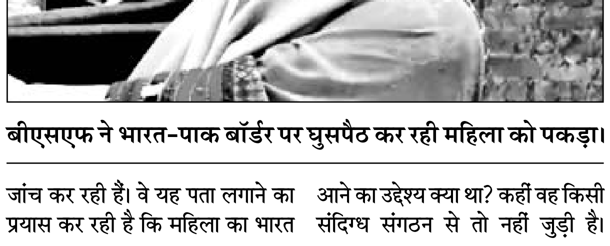

बीएसएफ ने भारत-पाक बॉर्डर पर घुसपैठ कर रही महिला को पकड़ा।

- महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार किया, महिला ने भारत में शरण मांगी
- महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा, वह डोमेस्टिक वॉयलेंस के कारण परेशान थी
- महिला सोमवार सुबह भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के अनूपगढ़ में बीएसएफ ने घुसपैठ कर रही पाकिस्तानी महिला को पकड़ा है। महिला सोमवार सुबह करीब 6:55 बजे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर की तारबंदी पार कर भारतीय क्षेत्र में घुस गई थी। विजेता पोस्ट पर बीएसएफ के जवानों ने उसे तुरंत हिरासत में ले लिया। महिला ने पाकिस्तान वापस जाने से साफ इनकार कर दिया है। बीएसएफ के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उसे पुलिस के हवाले नहीं किया गया है। महिला ने भारत में शरण मांगी है। महिला का कहना है कि अगर वह पाकिस्तान लौटती है तो उसे मार दिया जाएगा। वह डोमेस्टिक वॉयलेंस के कारण परेशान थी, इसलिए बॉर्डर क्रॉस करके आ गई।

डीएसपी प्रशांत कौशिक ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियां मामले की विस्तृत जांच कर रही हैं। वे यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला का भारत आने का उद्देश्य क्या था? कहीं वह किसी संदिग्ध संगठन से तो नहीं जुड़ी है। बीएसएफ के अनुसार, महिला के तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुसकर 50 मीटर अंदर आते ही विजेता चौकी पर तैनात जवानों ने उसे पकड़ लिया। महिला ने अपना नाम हुमारा (32) बताया है। वह बलूचिस्तान के केच जिले के दगरी खान गांव की रहने वाली है। बीएसएफ ने महिला से एक मोबाइल, सोने की बाली, नथ और हाथ में पहना कड़ा बरामद किया है। महिला ने बताया कि उसके पति का नाम वसीम है। वसीम की बलूचिस्तान में दुकान है। उसके माता-पिता कराची के रहने वाले थे। इससे पहले 24 दिसंबर को श्रीगंगानगर के भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर पाकिस्तानी घुसपैठिए को बीएसएफ ने मार गिराया था। वह देर रात भारतीय सीमा में घुसने का प्रयास कर रहा था। उसके पास पाकिस्तानी मुद्रा, सिगरेट का पैकेट और अन्य सामान मिला था।

जब मेरा जन्म हुआ तो उनकी दादी ने एक महीने तक मेरा चेहरा नहीं देखा था। लेकिन मेरी मां ने हमेशा अपनी बेटी का साथ दिया।
– साइना नेहवाल

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, अपने जन्मदिन के अवसर पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — सविता पूनिया

7वें सलाना पुरस्कार 2024 में भारतीय हॉकी ने 100 साल पूरे होने का जश्न मनाया। हॉकी इंडिया ने 1975 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्यों को हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सविता पुनिया को प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब दिया।भारतीय हॉकी में 12 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि रखी गई, जो हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कार के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी राशि रही।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिकेट के गुरु के तौर परमाकांत आचरेकरको जाना जाता है.वे सचिन तेंदुलकर के कोच थे।

टीम बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम : मेहदी हसन

ढाका, 17 मार्च। बंगलादेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज मेहदी हसन मिराज का मानना है कि टीम में पर्याप्त अनुभवी खिलाड़ी है और वे प्रमुख वरिष्ठ खिलाड़ियों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चल रहे बदलाव के दौर से उबरने में सक्षम है। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेहदी ने कहा, फिलहाल टीम में छह से सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सात से 10 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्हें अब नया नहीं कहा जा सकता। यह एक प्रक्रिया है। हमें अभी फैसला लेना चाहिए और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। विश्वकप में अभी दो से ढाई साल का समय है, इसलिए हमें तुरंत टीम तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा, चयन में निरंतरता महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट से दो या तीन महीने पहले ही तैयारी शुरू करना बहुत मुश्किल होगा। मुशफिकुर भाई (रहमान) और पिछली पीढ़ी के अन्य खिलाड़ियों ने सात से आठ वर्ष तक टीम की सेवा की है और बंगलादेश क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अब, हम भी लंबे समय से यहां हैं। हमारा लक्ष्य बंगलादेश क्रिकेट को अगले स्तर तक ले जाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली पीढ़ी ने एक अच्छी आधारशिला रखी है। अब हमारा काम टीम को और आगे ले जाना है।

ड्रेपर ने होल्गर रूण को हराकर इंडियन वेल्स खिताब जीता

कैलिफोर्निया, 17 मार्च। ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने पुरुष वर्ग के इंडियन वेल्स फाइनल में डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीत लिया। आज यहां एक घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में 23 वर्षीय ड्रेपर ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और दुनिया के 13वें नंबर के खिलाड़ी रूण को 6-2, 6-2 से हराया। ड्रेपर और रूण 2021 के बाद से इंडियन वेल्स में मास्टर्स फाइनल में स्पर्धा करने वाले पहले गैर शीर्ष 10 खिलाड़ी हैं। ड्रेपर जीत जीत के साथ ही एटीपी रैंकिंग में सात पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। मैच के बाद ड्रेपर ने कहा, मैं इस सप्ताह अपनी उपलब्धियों पर अविश्वसनीय रूप से खुश और गर्वित हूँ। मैंने पिछले साल के अंत में कहा था कि मैं कार्लोस अल्काराज़, जैनिक सिनर और उन सभी खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करना चाहता हूं जो बड़े खिताबों के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। ड्रेपर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैंने समय के साथ साथ बहुत मेहनत की और मैं यहां खेलने के लिए बहुत आभारी और खुश हूं। मैं स्वस्थ और बहुत अच्छा महसूस हो रहा हूँ।

हॉकी : राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 36 सदस्यीय दल करेगा अभ्यास

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सोमवार से 28 मार्च तक चलने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में 36 सदस्यीय हॉकी खिलाड़ी अभ्यास करेंगे। राष्ट्रीय वार्षिक पुरस्कार समारोह के बाद आज हॉकी इंडिया के निर्देश पर भारतीय पुरुष हॉकी के 36 खिलाड़ी बेंगलुरु के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में अभ्यास के लिए पहुंचे। संभावित टीम में गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक सहित पवन, सूरज करकेरा और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार शामिल हैं। डिफेंडरों में जर्मनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुमित, संजय, जुगराज सिंह, अमनदीप लाकड़ा, नीलम संजीप जेस, वरुण कुमार, यशदीप सिवाच को शिविर के लिए बुलाया गया है। इस बीच, मिडफील्डर राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, मोहम्मद राहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह और पूवन्ना सीबी को भी कोर संभावित समूह में रखा गया है। फॉरवर्ड में अभिषेक, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंत सिंह, अंगद बीर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरमाको, सेल्वम कार्थी, शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और उत्तम सिंह को दो सप्ताह चलने वाले शिविर के लिए बुलाया गया है।

हैरी ब्रूक को बैन करने के बीसीसीआई के फैसले पर इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली, 17 मार्च। इंग्लैंड के स्टार हैरी ब्रूक को पिछले हफ्ते भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आईपीएल से दो साल के लिए बैन कर दिया। इस फैसले के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने अपना रिएक्शन दिया है। बता दें कि, हैरी ब्रूक ने निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हटने का फैसला किया था।2023 में हैरी ब्रूक ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेला था। उसके बाद 2024 के शुरू होने से पहले ही हैरी ब्रूक ने अपना नाम वापस ले लिया। फिर पिछले साल नवंबर में मेगा ऑक्शन में दिल्ली ने उन्हें खरीदा। इंग्लैंड क्रिकेट के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए आईपीएल 2025 से हट गए। बीसीसीआई ने अपने नए नियम के तहत हैरी ब्रूक को बैन कर दिया।हैरी ब्रूक के बैन होने पर इंग्लैंड के खिलाड़ी मोईन अली ने पॉडकास्ट बियर्ड बिफोर क्रिकेट पर कहा कि, वह बीसीसीआई के प्रतिबंध लगाने के फैसले का समर्थन करते हैं।

केकेआर ने चोटिल उमरान मलिक की जगह चेतन साकरिया को टीम में दी जगह

कोलकाता 17 मार्च। कोलकाता नाइट राइडर्स ने चोटिल तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज चेतन साकरिया को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के लिए टीम में शामिल किया है। चोट के कारण उमरान मलिक आईपीएल 2025 से बाहर हो गये है। चेतन साकरिया पिछले वर्ष भी केकेआर के दल में थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच नहीं खेले का मौका नहीं मिला था। इस बार आईपीएल नीलामी में किसी भी टीम ने उन्हें नहीं खरीदा था। उमरान के चोटिल होने के कारण अब उन्हें केकेआर के लिए खेलने का अवसर मिलेगा।

सिंधु, सेन करेंगे स्विस ओपन में भारतीय दल की अगुवाई

बेसल (स्विट्जरलैंड), 17 मार्च। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष एकल में विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य सेन मंगलवार से स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय दल की अगुवाई करेंगे।

विश्व की 16वें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु का पहले दौर में महिला एकल में 28वें नंबर की खिलाड़ी मालविका बंसोड़ से सेंट जैकबशेल में मुकाबले से शुरूआत होगी। टूर्नामेंट में अनुपमा उपाध्याय, आकर्षि कश्यप और रक्षिता रामराज महिला एकल ड्रॉ में अन्य भारतीय दावेदार हैं। वहीं लक्ष्य सेन पहले दौर में हमवतन एचएस प्रणय से भिड़ेंगे। प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज भी पुरुष एकल के अन्य भारतीय खिलाड़ी हैं।

पुरुष युगल वर्ग में भारत का कोई भी भारतीय जोड़ी स्पर्धा में नहीं है। हालांकि, महिला युगल वर्ग में दुनिया की 9वीं नंबर की जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोनजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील स्पर्धा करती नजर आयेंगी।

मिश्रित युगल में आशिथ सूर्या-अमृत प्रमुथेश और सतीश करुणाकरण-आद्या वरियथ की भारतीय जोड़ी प्रतिस्पर्धा करेगी। भारतीय दल में पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, प्रियांशु राजावत, किरण जॉर्ज, किदांबी श्रीकांत, आयुष शेट्टी, सतीश करुणाकरन , थारुन मन्नेपल्ली और शंकर सुब्रमण्यम।

महिला एकल में पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, अनुपमा उपाध्याय, आकर्षी कश्यप, रक्षिता रामराज, इशरानी बरुआ, अनमोल खरब और तस्नीम मीर।

महिला युगल: ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद, प्रिया कोन्जेंगबाम-श्रुति मिश्रा, वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरथी सारा सुनील।

मिश्रित युगल: आशिथ सूर्या-अमृत प्रमुथेश, सतीश करुणाकरण-आद्या वारियथ, आयुष अग्रवाल-श्रुति मिश्रा।

अनसोल्ड रहे शार्दुल ठाकुर की किस्मत लेगी यू-टर्न

नई दिल्ली, 17 मार्च। टीम इंडिया के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे। उनमें किसी भी टीम ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। हालांकि, अब उनकी किस्मत यू-टर्न लेने वाली है। दरअसल, शार्दुल आईपीएल 2025 में खेलते हुए दिख सकते हैं। वे घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन गेंद और बल्ले से कर रहे हैं और इसका इनाम उनको आईपीएल में मिल सकता है। लखनऊ सुपर जायंट्स टीम कई चोटों से गुजर रही है। ऐसे में उनको एलएसजी में मौका मिल सकता है और इसके संकेत भी मिल चुके हैं। रेड बॉल क्रिकेट में दमदार प्रदर्शन करने वाले शार्दुल ठाकुर जून में शुरू होने रहे इंग्लैंड के दौरे की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन साथ ही साथ उनको आईपीएल में मौका मिल सकता है। वे हाल ही में लखनऊ सपुर जायंट्स के ट्रेनिंग कैंप में स्पॉट किए गए। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिकस वे एलएसजी की ट्रेनिंग जर्सी भी पहने दिखे हैं। चेन्नई सपुर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए खेल चुके शार्दुल को अब आईपीएल 2025 में लखनऊ के लिए खेलता हुआ देख सकते हैं। शार्दुल ने हाल ही में एलएसजी के खिलाड़ियों के साथ होली मनाई।

विराट कोहली को आईपीएल में गेंदबाज बुमराह से लगता है डर

नई दिल्ली, 17 मार्च। विराट कोहली दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। उनके सामने बड़े-बड़े गेंदबाज फीके पड़ जाते हैं लेकिन आईपीएल शुरू होने से पहले उन्होंने खुलासा करते हुए हुए बताया कि उन्हें कौन सा गेंदबाज अभी तक सबसे मुश्किल लगा है। जिसके सामने उन्हें रन बनाने में कठिनाई होती है।आरसीबी के पूर्व कप्तान विराट कोहली अभी आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 8004 रन हैं। बुमराह की बात करें तो उन्होंने अपने आईपीएल की पहली विकेट विराट कोहली की ही ली थी। कोहली समेत इस मैच में उन्होंने 3 विकेट चटकाए थे। बुमराह अभी सबसे खतरनाक गेंदबाजों में शुमार हैं और विराट कोहली ने भी उन्हीं का नाम लिया, जिसके सामने आईपीएल में खेलने में उन्हें मुश्किल होती है।आरसीबी द्वारा सेयर किए गए वीडियो में विराट कोहली ने कहा कि, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि सभी फॉर्मेट में जसप्रीत बुमराह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाज हैं। उन्होंने मुझे आईपीएल में कई बार आउट किया है, मैं सफलतापूर्वक आईपीएल में जगह बना पाया हूं। इसलिए जब भी उनके सामने बल्लेबाजी की बात होती है तो मैं सोचता हूं कि ये मजेदार होगा।

राजस्थान रॉयल्स ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में ओपन ट्रेनिंग सेशन आयोजित किया

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने 17 मार्च को शाम 7:00 बजे से सवाई मानसिंह स्टेडियम में ओपन ट्रेनिंग सेशन के लिए प्रशंसकों को आमंत्रित किया जिसमे सैकड़ों दर्शकों ने अभ्यास सत्र में प्रैक्टिस करए हुए राजस्थान रॉयल के खिलाड़ियों को देखकर तालियां ओर सीटियां बजाई। इस ट्रेनिंग सेशन में यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर, जोफ्रा आर्चर और हेड कोच राहुल द्रविड़ जैसे प्रमुख खिलाड़ियों के साथ एक छोटा अभ्यास मैच हुआ।

राजस्थान के अमित गोदारा का चयन भारत की बीच सॉकर राष्ट्रीय टीम में

जयपुर, 17 मार्च। भारत की बीच सॉकर राष्ट्रीय टीम के 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई, जो अगले सप्ताह एएफसी बीच सॉकर एशियन कप थाईलैंड 2025 खेलेगी। मलेशिया के मोहम्मद फैजल बिन सूद द्वारा प्रशिक्षित भारत को बीच सॉकर एशियन कप के ग्रुप ए में रखा गया है और यह 20 मार्च को मेजबान थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, जिसके बाद वे पटाया में कुवैत (22 मार्च) और लेबनान (24 मार्च) का सामना करेंगे।

कोचिंग और सहयोगी स्टाफ के साथ 12 सदस्यीय दल 16 मार्च की शाम को राजकोट से पटाया के लिए रवाना होगा और 17 मार्च की तड़के अपने गंतव्य पर पहुंचेगा। राष्ट्रीय टीम का शिविर दो चरणों

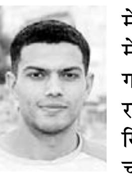

में गुजरात के पोरबंदर में आयोजित किया गया था, जिसमें 12 राज्यों के 75 खिलाड़ियों को पहले चरण के लिए बुलाया गया था। "हमारे पास क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का मौका है। बेशक, अन्य टीमें लंबे समय से बीच सॉकर में हैं, और थाईलैंड के मेजबान होने के कारण, यह और भी चुनौतीपूर्ण होगा, लेकिन बीच सॉकर में कुछ भी हो सकता है," 50 वर्षीय फैजल ने भारतीय खिलाड़ियों की उच्च गति से काम करने की क्षमता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "भारतीय खिलाड़ियों के बारे में अच्छी बात यह है कि वे सभी तेज़ हैं, इसलिए रणनीति बनाना आसान है, और तकनीकी पहलू बेहतर हो जाते हैं।" "गति और तकनीक हमारे खेल की नींव होगी।" भारत की बीच सॉकर टीम: प्रतीक कंकोंकर, राज चौहान, नेहल परब, अमित गोदारा(राज.) श्रीजीत बाबू, लतीश कुनकोलकर, रोहित वाई, मुख्तार उमरुल, मुशीर टीकेबी, सतीश नाइक, मोहम्मद अकरम, जयपाल सिंह।

राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि अमित गोदारा राज्यस्तरीय बीच सॉकर प्रतियोगिता में बेस्ट प्लेयर ऑफ टूर्नामेंट व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे। अमित अभी राजस्थान पुलिस फुटबाल टीम के सदस्य हैं, उनका फुटबाल टीम चयन स्पोर्ट्स कोटे से ही हुआ था।

जयपुर पोलो सीजन 2025 : टीम आरपीसी रही आरपीसी कप के फाइनल की विजेता

जयपुर, 17 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2025 के अंतर्गत सोमवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ हैट) का फाइनल मैच खेला गया। यह मुकाबला टीम आरपीसी और टीम पीपीसी के बीच हुआ, जिसमें टीम आरपीसी ने 6-5.5 के स्कोर से पीपीसी को हराकर कप जीत लिया। मैच के दौरान टीम पीपीसी को 1.5 गोल का एडवांटेज मिला। विजेता टीम आरपीसी के लिए एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5 गोल हासिल किए। वहीं संजुला मान ने 1 गोल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में रणशय पुरोहित और सूरज जाजू भी शामिल थे। दूसरी ओर, टीम पीपीसी से विशाल सिंह राठौड़ ने 2 गोल किए। डीनो धनखड़ और लोकेन्द्र सिंह धीरावत ने 1-1 गोल किया। टीम में यश भाटी/हेमंत कसाना भी शामिल थे।

राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने शिलॉन्ग लाजोंग एफसी को 4-0 से करारी शिकस्त दी

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान यूनाइटेड एफसी ने विद्याधर नगर स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन करते हुए शिलॉन्ग लाजोंग एफसी को 4-0 से हरा दिया। इस धमाकेदार जीत के साथ राजस्थान यूनाइटेड एफसी आई-लीग अंक तालिका में 5वें स्थान पर पहुंच गया है, जिससे उनकी शीर्ष चार में जगह बनाने की उम्मीदें और मजबूत हो गई हैं।राजस्थान यूनाइटेड एफसी अपनी जीत की लय को बरकरार रखने के इरादे से 23 मार्च 2025 को शाम 4:30 बजे विद्याधर नगर स्टेडियम, जयपुर में नामधारी एफसी के खिलाफ अपने अगले मुकाबले में उतरेगा। शीर्ष स्थान की दौड़ अब और रोमांचक हो गई है, जिससे हर मुकाबला बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

मैं कभी हार नहीं मानता : हार्दिक

नई दिल्ली, 17 मार्च। भारत के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने आईपीएल 2025 से पहले उम्मीद जताई है कि मुंबई इंडियंस के फैंस का उन्हें प्यार मिलेगा। साथ ही उनका कहना है कि पिछले कुछ महीनों में उनके लिए समय का पहिया पूरी तरह से 360 डिग्री घूम गया, लेकिन वह मुश्किल परिस्थितियों में हार नहीं मानने के अपने जज्बे के कारण मैदान पर डटे रहे। पिछले साल इंडियन प्रीमियर लीग में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाए जाने के बाद हार्दिक पंड्या को दर्शकों की नाराजगी का सामना करना पड़ा। इसके बाद उन्होंने भारत की टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2025 की तैयारी में जुड़े इस ऑलराउंडर को उम्मीद है कि इस बार उन्हें

मुंबई इंडियंस के फैंस का प्यार मिलेगा। 22 मार्च से शुरु हो रहे आईपीएल के 18वें सीजन से पहले जियो हॉटस्टार से पंड्या ने कहा कि, मैं कभी हार नहीं मानता। मेरे करियर में कुछ ऐसे दौर भी आए जब मेरा ध्यान जीतने के बजाय खेल में बने रहने पर लगा था। उन्होंने कहा कि, मुझे अहसास हुआ कि मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है क्रिकेट हमेशा मेरा सच्चा दोस्त बना रहेगा। मैंने खुद का समर्थन किया और जब मेरी कड़ी मेहनत रंग लाई तो ये उससे भी ज्यादा था जितना मैंने सोचा था।

चैम्पियंस ट्रॉफी के कारण पाक को लगा 800 करोड़ का झटका

नई दिल्ली, 17 मार्च। 29 साल बाद अपनी मेजबानी में आईसीसी टूर्नामेंट कराना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को भारी पड़ गया। कटोरा पकड़कर भीख मांगने की कगार पर खड़ा पाकिस्तान बोर्ड को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी से करीब 800 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। टूर्नामेंट का फाइनल 9 मार्च को हुआ था जिसमें टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता।पाकिस्तान ने सपने देखे थे कि उसे इस चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी से अरबों रुपये का मुनाफा होगा। लेकिन मामला उलटा ही पड़ गया। टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान बोर्ड ने स्टेडियम को सुधारने में करोड़ों रुपये खर्च किए, लेकिन उसे आखिर में 85 प्रतिशत नुकसान ही झेलना पड़ा।पीसीबी ने घरेलू मैच कराने के लिए लगभग 851 करोड़ रुपये खर्च किए थे। इसके बावजूद उसको सिर्फ 52 करोड़ रुपये की ही कमाई हुई। जिससे उसे करीब 799 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा।

क्रिकेट कोच एवं पिच क्यूरेटर अब्दुल सईद सोते-सोते सभी को रोता छोड़ विदा हो गए

जयपुर की रेगिस्तानी विकेट में हरियाली का रंग भरते थे सईद

जयपुर, 17 मार्च। राजस्थान क्रिकेट में कोच ओर पिच क्यूरेटर का इतिहास लिखा जाएगा तो बिना अब्दुल सईद का ज़िक्र किये बगैर इतिहास पूरा नही हो सकेगा। कठोर अनुशासन के साथ सीने में बेहद नरम दिल लिए क्रिकेटरों के बीच अपने खुशमिजाज व्यवहार से सईद सबके चहेते बने रहे।

अब्दुल सईद का जन्म 25.9.1968 में जयपुर के वरिष्ठ खेल पत्रकार अब्दुल गनी के घर में हुआ। बचपन से क्रिकेट का शौक रखने वाले सईद ने क्रिकेट की सीढ़ियों पर कदम रखते-रखते, सवाई मानसिंह स्टेडियम के ग्राउंड की उन ऊचाईयों को छुआ जिसका सपना बचपन से देखा करते थे।

एक शायर की लिखी लाइन सईद पर फिट बैठती है, "तेरी तस्वीर में वो रंग भरा है मैनें कि लोग देखेंगे तुझे ओर पूछेंगे मुझे"....। क्रिकेटर क्रिकेट ग्राउंड को देखकर अब्दुल सईद के बारे पूछते थे, ओर मिलकर तारीफ किया करते थे।

अब्दुल सईद ने दुनिया के नामचीन ओर क्रिकेट के धांसू कह जाने वाले बल्लेबाजो ओर गेंदबाजों के लिए विकेट तैयार किये, जिन विकेट पर अपने खेल का हुनर दिखाते हुए उन खिलाड़ियों ने अपना एवं देश का नाम रोशन किया। सईद द्वारा तैयार विकेट की तारीफ में क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने भी भरसक तारीफ़ की थी। क्रिकेट जगत के नामी खिलाड़ी जिनमे महेंद्र सिंह धोनी जिनके हेलीकॉप्टर शॉट को पंख जयपुर के ही सवाई मानसिंह स्टेडियम में लगे। इसी विकेट पर धोनी ने 183 का स्कोर किया था। भारत क्रिकेट टीम की शान कपिल देव, सुनील गावस्कर, अज़हरुद्दीन, नवजोत सिंह सिद्धू, राहुल द्रविड़, यूसुफ पठान, इरफान पठान, विदेशी क्रिकेटरों में शेन वार्न, ब्रेट ली, शेन वाटसन, रिकी पोंटिंग, स्विंग जादूगर वसीम अकरम, ब्रायन लारा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों ने सईद की बनाई पिच की तारीफ किया करते थे।

क्यूरेटर सईद किसी विशेष क्रिकेट स्टेडियम की पिच को मौसम की स्थिति और मिट्टी का सम्मान करते हुए बनाए रखने और आईसीसी के मानकों के अनुपालन में तैयार करने के लिए जिम्मेदार ओर अच्छी तरह वाकिफ थे। सामान्य ग्राउंडकीपिंग कौशल की अच्छी समझ थी। घास के रखरखाव, पिच रोलिंग तकनीक, घास की ऊँचाई मापने और सिंचाई विधियों के बारे में, पिच की तैयारी और रखरखाव के लिए आवश्यक उपकरणों और मशीनरी को उपयोग करने में माहिर थे। सईद को क्रिकेट की पिच मुख्यत: तीनो प्रकार की ग्रीन टॉप, डस्टी और डेड पिचों के बारे में बखूबी प्रैक्टिकल नॉलेज थी। ग्रीन टॉप और डस्टी पिच गेंदबाजों की मददगार साबित होती है तो वहीं डेड पिच पर बल्लेबाजों की मौज होती है खूब रन बन सकते हैं। सईद को तीनों प्रकार की पिच को बनाने का हुनर आता था।

14 सितंबर, 2006 को आईसीसी पिच सलाहकार एंडी एटकिंसन ने जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच और मैदान की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया, जयपुर में अक्टूबर 2006 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के मैचों की मेजबानी करनी थी। एटकिंसन आईसीसी के संचार प्रबंधक ब्रायन मुर्गेट्रियोड, मीडिया प्रबंधक समी उल हसन और संपर्क अधिकारी एमएच दूधिया की टीम के साथ जयपुर में थे, जहां उन्होंने आयोजन स्थल का निरीक्षण किया, जिसका बड़े पैमाने पर नवीनीकरण किया गया था। एटकिंसन ने क्यूरेटर ओर क्रिकेट कोच अब्दुल सईद की सराहना की।

क्रिकेट पिच क्यूरेटर और कोच अब्दुल सईद का 25 मार्च,2017, शनिवार की शाम को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। सईद के निधन की खबर मिलते ही राजस्थान के क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई थी। सईद प्रसिद्ध पिच क्यूरेटर थे और काफी लंबे समय से सवाई मानसिंह स्टेडियम की क्रिकेट एकेडमी में खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारिकीयां सिखा रहे थें। शाम करीब 3-4 बजे के आसपास घर पर ही सोते हुए उन्हें साइलेंट अटैक आ गया और उनका निधन हो गया। सईद की ही देखरेख में राजस्थान की अंडर 19 टीम को काफी प्रतिभावान क्रिकेटर मिले हैं। सईद को शास्त्री नगर स्थित कब्रिस्तान में दफनाया गया था। सईद अपने पीछे मां- पिताजी, पत्नी, एक बेटा ओर एक बेटी छोड़ इस दुनिया से खामोशी से सोते-सोते विदा हो गए।

क्या आरसीए एडहॉक कमेटी ने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देने वाले दिवंगत अब्दुल सईद को भुला दिया

क्या आरसीए एडहॉक कमेटी ने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देने वाले दिवंगत अब्दुल सईद को भूल गयी है। जिसने अपनी ज़िन्दगी आरसीए को मरते दम तक दी। 25 मार्च को राजस्थान क्रिकेट संघ पहली बार अपने क्रिकेटरों के लिए अवॉर्ड समारोह का आयोजन करने जा रहा है। इसमें इस साल के हर आयु वर्ग के बेस्ट क्रिकेटर्स (पुरुष और महिला) को सम्मानित किया जाएगा। ये अवॉर्ड राजस्थान क्रिकेट में अहम योगदान देने वाले खिलाड़ियों के नाम पर दिए जाएंगे। कई बार इसकी पहल हुई लेकिन संभव नहीं हो सका। अब आरसीए एडहॉक कमेटी ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है। इसके अलावा वे लोग इस लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के हकदार हो सकते हैं जो अब इस दुनिया में नहीं हैं। क्या इनमें दिवंगत क्रिकेट कोच एवं पिच क्यूरेटर अब्दुल सईद का नाम भी शामिल है जिन्होंने दो-तीन दशक तक आरसीए के क्यूरेटर के पद पर अपनी सेवाएं देकर जयपुर के नाम पूरी दुनिया मे रोशन किया था।

हमारी जोड़ी जय-वीरू की जैसी थी : तापोश चटर्जी

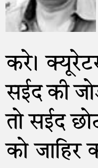

सईद के निधन की खबर सुनकर दुख हुआ। वे आरसीए के पिच क्यूरेटर थे और दुनिया के बेस्ट क्यूरेटर में शुमार थे। मैं हाथ जोड़ ईश्वर से दुआ करता हूं कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। क्यूरेटर, पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी मेरी ओर सईद की जोड़ी जी-वीरू की जोड़ी जैसी थी। मेरे लिए तो सईद छोटा भाई की तरह ही था। सईद के योगदान को जाहिर करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं।

'राजस्थान मंडपम से मिलेगी प्रदेश को नई पहचान, प्रदेश में बढ़ेगा 'कॉन्फ्रैंस टूरिज्म''

होलिस्टिक अप्रोच के साथ विकसित की जाएं सुविधाएं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 17 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए राज्य सरकार औद्योगिक, पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम के माध्यम से व्यापारिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध करवायी जाएंगी, ताकि प्रदेश बड़े-बड़े आयोजनों के लिए पहली पसंद बने और यहां कॉन्फ्रेंस टूरिज़्म को बढ़ावा मिल सके। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम की कार्ययोजना के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान मंडपम में होलिस्टिक अप्रोच के साथ आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं की पुख्ता कार्ययोजना बनाई जाए ताकि यहां पर छोटे से लेकर बड़े प्रकार के आयोजन सुगमता से हो सके।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में प्रस्तावित राजस्थान मण्डपम की कार्ययोजना के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित किया।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास के साथ विरासत भी' के संकल्प को ही आधार मानते हुए राजस्थान मण्डपम में प्रदेश के हैरिटेज के साथ हाईटैक सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए, जिससे यह स्थल सांस्कृतिक और व्यावसायिक आयोजनों के साथ ही स्थानीय कला, संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख आकर्षण केन्द्र भी बने। बैठक में उन्होंने कन्वेंशन सेन्टर, एग्ज़ीबिशन सेन्टर, मीटिंग हॉल एवं आगन्तुकों के लिए पार्किंग सुविधाओं को विकसित किए जाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

- **भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आवास पर राजस्थान मंडपम के संबंध में उच्चस्तरीय बैठक ली और कहा कि इससे प्रदेश को 350 बिलियम डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिलेगी।**

बैठक में राजस्थान मंडपम के निर्माण की प्रस्तावित कार्ययोजना के बारे में प्रस्तुतीकरण भी दिया गया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता व रीको के वरिष्ठ अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में ओबीसी का आरक्षण 23 प्रतिशत से बढ़कर 42 प्रतिशत हुआ

हैदराबाद, 17 मार्च। ओबीसी समुदाय के लिए तेलंगाना सरकार ने बड़ा एलान किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा किराज्य में शिक्षा, नौकरी और रोजगार तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व में ओबीसी आबादी को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा, जो अब तक 23 प्रतिशत था।

- **तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी ने कहा कि राज्य में शिक्षा, नौकरी, रोजगार व राजनीति में ओबीसी समुदायों को 42 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा।**

तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना विधानसभा के नेता और मुख्यमंत्री के रूप में पूरी गंभीरता से घोषणा करता हूं कि हमारे लोगों के सबसे वैज्ञानिक, कठोर और अथक प्रयासों के आधार पर हम कह सकते हैं कि तेलंगाना में ओबीसी आबादी 56.36 प्रतिशत है। अब हम शिक्षा, नौकरी, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में इस समूह के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण तय करने का संकल्प ले रहे हैं।

'संसद में मंत्रियों ने दिए 1300 आश्वासन, एक भी पूरा नहीं किया'

संसदीय कार्यमंत्री किरण रिजीजू ने कहा लोकसभा में दिए गए 547 व राज्यसभा में दिए गए 764 आश्वासन पूरे नहीं हो सके

नयी दिल्ली, 17 मार्च। संसद के दोनों सदनों में मंत्रियों द्वारा सदस्यों को उनके प्रश्नों तथा अन्य वक्तव्यों के जवाब में दिये गये कुल आश्वासनों में से 1300 से अधिक अभी भी लंबित हैं और पूरे नहीं किये गये हैं। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने सोमवार को राज्यसभा में पूरक प्रश्नों के जवाब में कहा कि लोकसभा में 547 और राज्यसभा में 764 आश्वासन पूरे नहीं किये जा सके हैं। आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने सवाल पूछते हुए कहा था कि वर्ष 2024 में मंत्रियों ने राज्यसभा में सदस्यों को 160 आश्वासन दिये थे, जिनमें से केवल 41 ही पूरे किये गये हैं और 119 अभी भी लंबित हैं।

इसके जवाब में संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरूगन ने कहा कि इस संबंध में सरकार ने वर्ष 2018 में आनलाइन निगरानी प्रणाली शुरू की थी। इसके बाद से इस पर कड़ी नजर रखी जा रही है और सभी आश्वासनों को पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक दोनों सदनों में मंत्रियों द्वारा सदस्यों को लाखों आश्वासन दिये गये हैं और इन्हें पूरा भी किया जा रहा है। उन्होंने आंकड़े देते हुए कहा कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में मंत्रियों द्वारा दिये गये 99 प्रतिशत आश्वासनों को पूरा किया गया है। मुरूगन ने कहा कि कुछ आश्वासनों से संबंधित कार्य ऐसी परियोजनाओं के होते हैं, जिन्हें पूरा होने में समय लगता है। इसके बारे में निरंतर जानकारी हासिल की जाती है और इन्हें जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश की जाती है।

- **आप नेता संजय सिंह ने बताया 2024 में मंत्रियों ने 160 आश्वासन दिए थे मात्र 41 ही पूरे किए गए हैं 119 अभी भी लंबित हैं।**

इस पर आम आदमी पार्टी के सदस्य ने कहा कि मंत्री द्वारा दिये गये आंकड़ों और मंत्रालय की वेबसाइट पर दिये गये आंकड़ों में विरोधाभास है। उन्होंने कहा कि मंत्री वर्ष 2024 से संबंधित आंकड़ों पर स्थिति स्पष्ट नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवाब में कहा जा रहा है कि 99 प्रतिशत आश्वासन पूरे किये गये हैं, जबकि मंत्रालय की वेबसाइट कह रही है कि संसद के दोनों सदनों में 1300 से अधिक आश्वासन पूरे नहीं किये गये हैं।

संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने कहा कि लोकसभा में 547 और राज्यसभा में 764 आश्वासन पूरे नहीं किये जा सके हैं। उन्होंने कहा कि मंत्रियों द्वारा दिये गये आश्वासनों को पूरा करने के लिए तीन महीने का समय होता है। उन्होंने कहा कि इन पर नजर रखने के लिए एक निगरानी प्रणाली भी है और एक समिति भी है। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जब सदस्य किसी संबंध में मंत्री या विभागों को कोई पत्र लिखते हैं तो उसका भी जवाब एक महीने में दिया जाना चाहिए।

प्र.मंत्री मोदी ने तुलसी गबार्ड को महाकुंभ का जल भेंट किया

नई दिल्ली, 17 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम को राष्ट्रीय राजधानी में अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें हाल ही में प्रयागराज में संपन्न हुए महाकुंभ से लाया गए पवित्र जल (जल) से भरा एक कलश भेंट किया। तुलसी गबार्ड ने मोदी को एक माला भेंट की।

गबार्ड कई देशों की यात्रा के हिस्से के रूप में भारत पहुंची हैं। उनकी एशिया यात्रा का समापन 18 मार्च को दिल्ली में रायसीना डायलॉग में भाषण देने के साथ होगा, जिसके लिए प्रधानमंत्री ने उन्हें आमंत्रित किया था।रायसीना डायलॉग के 10वें संस्करण का आयोजन विदेश मंत्रालय और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा किया जा रहा है।

- **अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड एशिया यात्रा के तहत भारत आई हैं और रायसीना डायलॉग में भाषण के साथ उनकी एशिया यात्रा का समापन होगा।**

गबार्ड ने प्रधानमंत्री मोदी से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। इस दौरान राजनाथ सिंह ने प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठन सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की ओर से अमेरिका में भारत विरोधी गतिविधियों को लेकर चिंता जताई।

सीएजी की नियुक्ति सम्बंधी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र को नोटिस दिया

एक जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह नोटिस जारी किया है

नयी दिल्ली, 17 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की नियुक्ति केवल कार्यपालिका और प्रधानमंत्री द्वारा करने की मौजूदा प्रथा को संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने का दावा करने वाली जनहित याचिका पर सोमवार को केन्द्र सरकार से जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने गैर सरकारी संगठन सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन की याचिका पर केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया। साथ ही पीठ ने इसे इसी मुद्दे पर लंबित अन्य मामले के साथ जोड़ने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने यह आदेश पारित किया। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले महाराष्ट्र जैसे राज्यों में सीएजी द्वारा ऑडिट को रोका जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में सीएजी ने अपनी स्वतंत्रता खो दी है। भूषण ने तर्क दिया कि यहां सवाल संस्था की स्वतंत्रता का है।

पीठ ने उनसे हाल के वर्षों में सीएजी की स्वतंत्रता पर संदेह करने से संबंधित कोई तथ्य रिकॉर्ड पर लाने के लिए कहा।

- **याचिका में सीएजी की नियुक्ति कार्यपालिका द्वारा करने को संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन बताया गया है।**

भूषण ने तर्क दिया कि सीएजी की रिपोर्टों की संख्या कम हो गई है और कर्मचारियों की संख्या घट रही है।

उन्होंने आगे दलील दी कि अदालत ने पहले केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्तियों के संबंध में उनकी स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। अधिवक्ता भूषण ने जोरदार ढ ंग से तर्क दिया कि सीएजी के लिए भी इसी तरह के निर्देश आवश्यक हैं। पीठ ने अनुच्छेद 148 का हवाला देते हुए कहा, हमें अपनी संस्थाओं पर भी भरोसा करना होगा, पीठ ने कहा कि सीएजी को पद से हटाने के संबंध में शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के समान सुरक्षा प्राप्त है।

पीठ ने हालांकि आखिरकार मामले की जांच करने का फैसला किया।

विश्व टॉप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अहमबाद 27 वें और आईआईएम बैंगलोर 40 वें नम्बर पर है। आईआईटी मद्रास पैट्रोलियम इंजीनियरिंग में 31 वें नम्बर पर है वहीं डवलपमैंटल स्टडीज़ में जवाहरलाल नेहरु युनिवर्सिटी (जेएनयू) 29 वें स्थान पर है। क्यू एस वर्ल्ड टॉप रैंकिंग से एक महत्वपूर्ण रुझान नज़र आता है कि वो है एशियन युनिवर्सिटीज़ का उदय। इसमें चीन व सिंगापुर सबसे आगे हैं। भारत ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। इन संस्थाओं ने रिसर्च के क्षेत्र में ज्यादा फोकस कर विश्वस्तर पर अपनी लोकप्रियता बढ़ाई है। हालांकि भारतीय विश्वविद्यालयों को अभी फैकल्टी -विद्यार्थी अनुपात, रिसर्च फंडिग व वैश्विक दृष्टिकोण के क्षेत्र में समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिससे उनकी रैंकिंग प्रभावित होती है।

'सैन्ट्रल स्कूल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत के नेता के रूप में भी उभरकर आये हैं, क्योंकि पूरा दक्षिण भारत परिसीमन और भाषा के मुद्दे पर संगठित हो गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने इन दोनों मुद्दों को एक ऐसे रूप में पेश किया है जिससे लगता है कि दक्षिण भारत, उत्तर भारत के "आक्रामक, अड़ियल और निरंकुश" रुख का शिकार बन रहा है तथा दक्षिण भारत को उसके उचित अधिकारों तथा फण्ड्स से वंचित किया जा रहा है, जो उसका न्याय सम्मत अधिकार है। दक्षिण भारत का जनसामान्य यह बात पहले ही मानकर चल रहा है कि दक्षिण भारत की आमदनी ज्यादा है तथा वह राष्ट्रीय राजस्व में भी ज्यादा योगदान दे रहा है, लेकिन उसे केन्द्र सरकार से बदले में बहुत राशि मिल रही है। केरल के पूर्व वित्त मंत्री ने इस बिन्दु को इस रूप में सबसे पहले प्रस्तुत किया था, उसके बाद दक्षिण भारत के एक के बाद एक- सभी नेताओं ने जनसामान्य तक यह बात इस रूप में पहुँचाई है।

शोक संदेश

अत्यंत दु:ख के साथ सूचित कर रहे हैं कि
हमारी पूजनीय माता जी

श्रीमती रामपति देवी जी
(प्रधान, पंचायत समिति, मासलपुर, जिला-करौली)
का देवलोक गमन
दिनांक 16 मार्च को हो गया है!

तीये की बैठक
18 मार्च, 2025 (मंगलवार)
निज निवास, बड़ागांव खेड़ला,
तहसील - महवा, जिला - दौसा

शोकाकुल परिवार
राजाराम गुर्जर
पुत्र (पूर्व सभापति, करौली)
डॉ. सौम्या गुर्जर
पुत्रवधू (महापौर, नगर निगम ग्रेटर जयपुर)
एवं समस्त परिवारजन

संपर्क | 9799908131, 9461585400
8875727341, 9414335672

SCAN FOR THE LOCATION

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908